सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 269 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 13 जुलाई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

बदरीनाथ मंदिर चढ़ावा हेराफेरी मामलाः आरोपी कर्मचारी प्रमोद नौटियाल गिरफ्तार

देहरादून। बदरीनाथ धाम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मामले में फरार चल रहे आरोपी कर्मचारी प्रमोद नौटियाल को पुलिस ने रविवार देर रात करीब 11 बजे देहरादून से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस टीम आरोपी को पूछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए बदरीनाथ कार्यालय लेकर आ रही है। साक्ष्य जुटाने के बाद पुलिस टीम आरोपी की तलाश कर रही थी। उसके संभावित जगहों पर भी लगातार दबिश दी जा रही थी। आखिरकार पुलिस को सफलता मिली और उसे देहरादून से हिरासत में ले लिया गया। बताया जा रहा है कि मंदिर में प्राप्त चढ़ावे के रखरखाव और जमा प्रक्रिया के दौरान वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत सामने आने के बाद मामले की जांच शुरू की गई थी। प्रारंभिक जांच में चढ़ावे की राशि में कथित गड़बड़ी के संकेत मिलने पर संबंधित कर्मचारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। इसके बाद आरोपी फरार हो गया था, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीम प्रयास कर रही थी।

कोरिया-नौगई तिहरे हत्याकांड में सीबीआई की एंट्री

कोरिया। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोरिया-नौगई तिहरे हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की पांच सदस्यीय टीम बैकुंठपुर पहुंच चुकी है। इस हाई-प्रोफाइल मामले की परतें खोलने के लिए टीम ने चरचा स्थित पंचवटी रेस्ट हाउस में है। सीबीआई की टीम जल्द ही सोनहत के नौगई गांव स्थित घटनास्थल का दौरा कर अपनी तफ्तीश शुरू करेगी। यह सनसनीखेज वारदात 16 जून को सोनहत के नौगई गांव में हुई थी, जहां रेत खनन के विवाद और आपसी वर्चस्व को लेकर फॉर्च्यूनर गाड़ी को घेरकर आग लगा दी गई थी। इस जघन्य कांड में भाजपा के पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष भरत सिंह उर्फ लल्ला सिंह सहित तीन लोगों की मौत हो गई थी। मामले की गंभीरता और बढ़ते राजनीतिक व सामाजिक दबाव को देखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने 30 जून को सीबीआई जांच की आधिकारिक सिफारिश की थी, जिसे केंद्र सरकार से हरी झंडी मिलने के बाद अब जांच टीम जमीनी स्तर पर सक्रिय हो गई है। स्थानीय पुलिस इस मामले में अब तक मुख्य साजिशकर्ताओं समेत कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

पद्मविभूषण तीजन बाई को श्रद्धांजलि देकर शुरू किया गया विधानसभा का मानसून सत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

सदन ने याद किया लोककला का स्वर्णिम अध्याय, मुख्यमंत्री साय बोले- छत्तीसगढ़ ने अपनी लोकसंस्कृति का अनमोल रत्न खो दिया

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र 13 जुलाई से शुरू हो गया है। आज पहला दिन लोककला की महान साधिका पद्म विभूषण डॉ. तीजन बाई को श्रद्धांजलि के साथ शुरू हुआ। सदन ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखा और बाद में कार्यवाही को पांच मिनट के लिए स्थगित कर दिया।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के पावस सत्र के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को पद्म विभूषण से सम्मानित विश्वविख्यात पंडवानी गायिका डॉ. तीजन बाई के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डॉ. तीजन बाई के निधन से छत्तीसगढ़ ने अपनी लोकसंस्कृति का एक अनमोल रत्न खो दिया है। उनके जाने से कला एवं सांस्कृतिक जगत को अपूरणीय क्षति हुई है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने पंडवानी गायन की कापालिक शैली को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और अपनी विलक्षण प्रतिभा से लोककला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। उनकी प्रस्तुतियों में गायन और अभिनय का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता था। पात्रों का सजीव चित्रण, ओजपूर्ण वाणी और प्रभावशाली प्रस्तुति श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देती थी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय मंत्रियों ने भी डॉ. तीजन बाई के कला क्षेत्र में अतुलनीय योगदान का स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राज्योत्सव के अवसर पर रायपुर प्रवास पर आए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. तीजन बाई के परिजनों से दूरभाष पर बातचीत कर उनका कुशलक्षेम जाना था।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अनेक विश्वविद्यालयों द्वारा डॉ. तीजन बाई को डी.लिट्. की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। भारतीय लोकसंगीत और लोकसंस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में उनका योगदान सदैव स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा। उनकी कला, साधना और समर्पण आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने और उसे आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता रहेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सदन की ओर से दिवंगत पद्म विभूषण डॉ. तीजन बाई को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि परमात्मा इस कठिन समय में शोकाकुल परिजनों, उनके असंख्य प्रशंसकों और कला जगत को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में राम मंदिर में चंदा चोरी पर हंगामा

पूर्व सीएम भूपेश बोले- जनता ने चंदा दिया, डकैती पड़ गई, डॉ रमन बोले- यह राज्य का विषय नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में राम मंदिर में चंदा चोरी के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत समेत कांग्रेस विधायक चंदा चोरी के पोस्टर लेकर सदन पहुंचे। महंत ने कहा कि वह नेता प्रतिपक्ष के तौर पर नहीं, बल्कि प्रदेश के करोड़ों रामभक्तों की भावना का प्रतिनिधित्व करते हुए यह मुद्दा उठा रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि स्थगन प्रस्ताव की विषय-वस्तु छत्तीसगढ़ से संबंधित नहीं होने के कारण इसे अस्वीकार किया जाता है।

नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत कहना है कि लोगों ने आस्था से दान दिया, लेकिन उसके साथ धोखा हुआ। इस पर संसदीय कार्य मंत्री अजय चंद्राकर ने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह विधानसभा का विषय नहीं, बल्कि आस्था का मामला है और राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में भी नहीं आता। उन्होंने पूछा कि किस प्रक्रिया के तहत यह मुद्दा सदन में लाया गया है। हंगामे के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि कांग्रेस को स्थगन प्रस्ताव होने के बावजूद मुद्दा उठाने नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ के लोगों ने भी राम मंदिर निर्माण के लिए चंदा दिया था और उसमें डकैती पड़ गई। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच नारेबाजी हुई और सदन में कुछ देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही।

प्रश्नकाल में डीएड-बीएड कॉलेज का मुद्दा गूंजा

इससे पहले प्रश्नकाल में भाजपा विधायक लता उसेंडी ने कोंडागांव स्थित शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में बीएड-डीएड पाठ्यक्रम संचालित नहीं होने और रिक्त पदों का मुद्दा उठाया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन को लेकर भी सवाल किया। जवाब में उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि नई शिक्षा नीति प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में लागू है। बीएड-डीएड कॉलेजों को लेकर टास्क फोर्स का गठन किया गया है और 13 महाविद्यालयों में इन्हें शुरू करने की संभावना है।

मद्रास हाईकोर्ट के गोवध प्रतिबंध के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें तमिलनाडु में कहीं भी बकरीद या किसी अन्य दिन गाय या बछड़े के वध पर रोक लगाने का निर्देश दिया गया था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर स्पेशल लीव पिटिशन पर नोटिस जारी करते हुए यह अंतरिम आदेश पारित किया। राज्य सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें पूरे राज्य में गायों और बछड़ों के वध पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया गया था। राज्य सरकार की ओर से सीनियर एडवोकेट डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने पक्ष रखा।

राज्य सरकार ने दलील दी कि हाई कोर्ट का आदेश तमिलनाडु पशु संरक्षण अधिनियम, 1958 के विपरीत है। इस कानून के तहत सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र के आधार पर 10 वर्ष से अधिक उम्र की उन गायों के वध की अनुमति दी जाती है, जो काम करने और प्रजनन के लिए अनुपयुक्त हो चुकी हों। सरकार ने यह भी कहा कि पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960, पशु क्रूरता निवारण (वध गृह) नियम, 2001, तमिलनाडु शहरी स्थानीय निकाय अधिनियम, 1998 तथा तमिलनाडु शहरी स्थानीय निकाय नियम, 2023 जैसे अन्य कानून वध की प्रक्रिया और शर्तों को नियंत्रित करते हैं, लेकिन इनमें कहीं भी पूर्ण प्रतिबंध का प्रावधान नहीं है। राज्य का कहना है कि पूर्ण प्रतिबंध लगाकर हाई कोर्ट ने वैधानिक कानून की जगह न्यायिक कानून बना दिया।

छत्तीसगढ़ में दो दिन बाद फिर सक्रिय होगा मानसून, कल से बदलेगा मौसम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी पड़ गई है। इससे मध्य हिस्सों में गर्मी और उमस का असर बढ़ गया है। राजधानी रायपुर समेत कई जिलों में रविवार को बारिश नहीं होने से लोगों को पूरे दिन उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा। हालांकि मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि 14 जुलाई से प्रदेश में बारिश की गतिविधियां फिर तेज हो सकती हैं।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले पांच दिनों तक विशेष रूप से उत्तर छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की भी चेतावनी जारी की गई है। राजधानी रायपुर में सोमवार को आसमान में बादल छाए रहने और रुक-रुककर बारिश होने के आसार हैं। शहर का अधिकतम तापमान करीब 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग के अनुसार, मानसून द्रोणिका फिलहाल श्रीगंगानगर, हिसार, मेरठ, शाहजहांपुर, गोरखपुर, मुजफ्फरपुर होते हुए दक्षिण असम तक फैली हुई है। इसके अलावा उत्तर-पूर्व बिहार के आसपास ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। इन मौसमी प्रणालियों के प्रभाव से प्रदेश में अगले दो दिनों के दौरान बारिश का दायरा बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और वज्रपात की स्थिति में सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है।

एनएच पर खड़े ट्रक से टकराई कार, तीन की मौत

कानपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। रूमा स्थित न्यू जेके ढाबा के पास हाईवे पर खड़े ट्रक से तेज रफ्तार स्कॉर्पियो टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और चीख-पुकार मच गई। हादसा सुबह करीब साढ़े पांच बजे हुआ। वाहन संख्या एचआर 14एम 9501 स्कॉर्पियो सिरसा, हरियाणा से बिहार जा रही थी। इसमें 12 लोग सवार थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कॉर्पियो किसी अज्ञात वाहन को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से घुस गई। हादसे में स्कॉर्पियो सवार एक 45 वर्षीय पुरुष, 13 वर्ष की एक लड़की और लगभग नौ वर्ष के एक लड़के की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची महाराजपुर पुलिस और एनएचएआई की टीम ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहन को हटाकर यातायात सुचारू कराया।

निर्माणाधीन कांग्रेस-भवन में नाबालिग से रेप आरोपी की लोगों ने की लातघूंसों से पिटाई

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में महिला थाने के पास कांग्रेस के निर्माणाधीन भवन में नाबालिग से दरिंदगी हुई है। भीख मांगकर गुजारा करने वाली 14 साल की नाबालिग के साथ युवक ने 3 दिन तक रेप किया है। पीड़िता के चीखने-चिल्लाने पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे।उन्होंने युवक को पकड़कर लात-घूंसों से उसकी जमकर पिटाई कर दी। जिससे वो लहूलुहान हो गया। पूछने पर कहा कि, सिर्फ किस किया हूं। नाबालिग से उसे चप्पल से पिटवाया गया, पैर पकड़कर माफी भी मंगवाई गई।

बिलासपुर के बाल संप्रेक्षण गृह में चौकीदार की पीट-पीटकर हत्या, हाथ-पैर बांधकर गला घोंटा, 4 नाबालिग आरोपी फरार

परिजनों का आरोप अधीक्षक मैडम ने करवाया मर्डर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में बाल संप्रेक्षण गृह के भीतर चौकीदार की हत्या कर दी गई है। आरोप है कि, चार बाल अपचारियों ने पहले चौकीदार के साथ मारपीट की, फिर उसके हाथ-पैर बांधकर गला दबा दिया और मुंह में गमछा ठूंस दिया। वारदात के बाद चारों बाल अपचारी मौके से फरार हो गए। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है।

मृतक की पहचान तखतपुर क्षेत्र के अरईबंद निवासी नरेंद्र कुमार खांडे (40) के रूप में हुई है। वह पिछले करीब एक साल से बाल संप्रेक्षण गृह में चौकीदार के पद पर कार्यरत था। परिजनों का कहना है कि, सिंह सर और अधीक्षक मैडम ने मर्डर करवाया है। बताया जा रहा है कि, हत्या का मुख्य आरोपी जेल शिफ्ट होने वाला था। उसकी उम्र 20 साल हो चुकी थी। दूसरा भी हत्या और तीसरा रेप का आरोपी है। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। सेंट्रल जेल में हुई कैदी की हत्या से सीखने की आशंका है।

जानकारी के मुताबिक, रविवार की रात करीब 11 बजे चौकीदार की हत्या कर चारों बाल अपचारी बाल संप्रेक्षण गृह से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सरकंडा थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। पुलिस फरार बाल अपचारियों की तलाश में अलग-अलग टीमों को सक्रिय कर चुकी है। साथ ही सीसीटीवी फुटेज, घटनास्थल से मिले साक्ष्य और अन्य तकनीकी पहलुओं की जांच की जा रही है। फिलहाल हत्या के पीछे की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

संपादकीय

दवा न बने दारू

ज़्यादा अल्कोहल वाली दवाओं का नियमन सराहनीय

सार्वजनिक विमर्श में लंबे समय से मांग की जाती रही है कि ज़्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली दवाओं का सख्ती से नियमन किया जाए। दरअसल, नशे की लत छुड़ाने के प्रयासों के दौरान इन दवाओं का दुरुपयोग किया जाता रहा है। साथ ही जिन राज्यों में नशाबंदी लागू है, वहां भी उनके गलत इस्तेमाल की शिकायतें मिलती रही हैं। ऐसे में केंद्र सरकार का ज़्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली पीने वाली दवाइयों व सिरप की बिक्री पर सख्ती करने का फैसला, एक जरूरी सुधार है। निश्चय ही इस कदम से लंबे समय से इन दवाइयों के गलत इस्तेमाल की प्रवृत्ति पर रोक लग सकेगी। दरअसल, 12 प्रतिशत से ज़्यादा एथिल अल्कोहल मात्रा के साथ बड़ी बोतल में मिलने वाली दवाइयों के लिये अब लाइसेंस, डॉक्टर की पर्ची और रिकॉर्ड रखने के नियम कड़े करके सरकार ने जरूरी पहल की है। आखिरकार सरकार ने उस सच्चाई को स्वीकार कर लिया है, जिसे रेगुलेटर लंबे समय से नजरअंदाज कर रहे थे। यह हकीकत है कि इन दवाओं का नियमन व निगरानी कायदे की न होने से ये दवाएं नशा करने का जरिया भी बन रही थीं। निश्चित रूप से ये नये नियम मरीजों की दवा तक पहुंच और जन-सुरक्षा के बीच समझदारी भरा संतुलन बनाते हैं। इसका मतलब ये है कि जिन्हें वास्तव में इन दवाइयों की जरूरत है, उन्हें ये दवाइयां डॉक्टर की देखरेख में सहज उपलब्ध हो सकेंगी। वहीं दूसरी ओर इन दवाइयों का दुरुपयोग गलत कार्य के लिये करने वालों की इन तक पहुंच मुश्किल हो जाएगी। निश्चय ही यह वक्त की जरूरत थी क्योंकि किशोर और नशे की लत से जूझ रहे लोग अक्सर ऐसी दवाइयों को शराब के सस्ते विकल्प के तौर पर इस्तेमाल करने लगते हैं। जनमानस में उपचार के लिये आम बोलचाल में प्रचलित शब्द 'दवा-दारू', वास्तव में ऐसे नशेड़ियों के लिये नशे का मौका उपलब्ध कराने का जरिया बन जाता था। इस पर अंकुश लगाना निश्चय ही स्वागत योग्य कदम है।

> दरअसल, 12 प्रतिशत से ज़्यादा एथिल अल्कोहल मात्रा के साथ बड़ी बोतल में मिलने वाली दवाइयों के लिये अब लाइसेंस, डॉक्टर की पर्ची और रिकॉर्ड रखने के नियम कड़े करके सरकार ने जरूरी पहल की है। आखिरकार सरकार ने उस सच्चाई को स्वीकार कर लिया है, जिसे रेगुलेटर लंबे समय से नजरअंदाज कर रहे थे। यह हकीकत है कि इन दवाओं का नियमन व निगरानी कायदे की न होने से ये दवाएं नशा करने का जरिया भी बन रही थीं। निश्चित रूप से ये नये नियम मरीजों की दवा तक पहुंच और जन-सुरक्षा के बीच समझदारी भरा संतुलन बनाते हैं। इसका मतलब ये है कि जिन्हें वास्तव में इन दवाइयों की जरूरत है, उन्हें ये दवाइयां डॉक्टर की देखरेख में सहज उपलब्ध हो सकेंगी।

दरअसल, एम्स दिल्ली के नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर ने नशीले पदार्थों की लत छुड़ाने के लिये इलाज करा रहे लोगों के बीच इन दवाइयों व कफ सिरफ आदि के अनुचित इस्तेमाल का पर्याप्त रिकॉर्ड रखा है। इतना ही नहीं, जन स्वास्थ्य से जुड़े कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन भी इस बाबत चिंता जाहिर कर चुके हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तो बाकायदा चेतावनी दी है कि जिन जगहों पर सामान्य शराब महंगी होती है या नशाबंदी लागू होने से आसानी से उपलब्ध नहीं होती है, वहां अधिक अल्कोहल वाली दवाइयों के दुरुपयोग की लगातार संभावना बनी रहती है। जो इस बात की ओर स्पष्ट संकेत करता है कि जैसे-जैसे नशीले पदार्थों के रूप में दवाइयों का दुरुपयोग बढ़ता है, वैसे-वैसे ही नियमों में बदलाव करना अपरिहार्य हो जाता है। बहरहाल, कागजों पर नियम बना देना तो मात्र एक शुरुआत भर है। सबसे जरूरी है कि इन नियमों को सख्ती से लागू किया जाए। साथ ही निगरानी तंत्र को भी मजबूत बनाने की जरूरत है। ऐसे में आवश्यक हो जाता है कि नियमों को तोड़कर दवा के दुरुपयोग की कोशिश करने वालों की निगरानी के लिये ड्रग इंस्पेक्टरों की पर्याप्त संख्या हो। इसके अलावा फार्मेसियों को भी इस बाबत जवाबदेह बनाना जरूरी हो जाता है। जिसके लिये ऐसी दवाइयों की बिक्री के रिकॉर्ड को डिजिटल करना भी आवश्यक है ताकि नियामक तंत्र इनकी बिक्री की निगरानी कर सके। निस्संदेह, डॉक्टरों का भी नैतिक दायित्व है कि वे जरूरतमंद लोगों को ये दवाइयां सोच-समझकर ही लिखें। साथ ही इससे होने वाले खतरों के बारे में भी मरीजों को अवगत कराएं। इन बोतलों पर दवा का लेबल लगाने का अंतिम निष्कर्ष यह नहीं है कि वे पूरी तरह से सुरक्षित हैं। बहरहाल, नियमों में बदलाव सरकार की एक बुनियादी जिम्मेदारी को ही दर्शाता है। जो यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि इलाज के लिए उपयोग होने वाले उत्पादों से लोगों को फायदा ही हो, नुकसान नहीं। निस्संदेह, सरकार ने सही दिशा में कदम उठाया है। अब इस नियम को सख्ती से लागू करने का पक्का इरादा भी दिखाना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो इस रोग का पूरा इलाज नहीं हो पायेगा।

स्याह दौर को याद करके उबरने का समय

ज्योति मल्होत्रा

हालिया दो फिल्में 'मैं वापस आऊंगा' और 'सतलुज' पंजाब की स्मृतियों में दबे जख्मों को सामने लाती हैं। एक दास्तान में देश विभाजन के घावों की टीस है तो दूसरी में आतंक के दौर के आघातों का सामूहिक संताप। बेशक, सभी पहलू सामने लाने व समाधान पर चर्चा हो।

पिछले कुछ हफ़्तों से ज़िंदगी, दो कलाकृतियों में उतरने की कोशिश कर रही है, यह समझने के लिए कि दशकों पहले क्या हुआ। इम्तियाज़ अली की 1947 में देश के विभाजन पर बनी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा', जो 80 साल पीछे जाकर उन लोगों की कहानी बताती है, जिन्हें एक घर से दूसरे घर की तलाश में खुद की जड़ें उखाड़ने को मजबूर किया गया था, सदा के लिए 'रिफ्यूजी' का ठप्पा लेकर – लाहौर में छोड़े गए मॉडल टाउन की याद में दिल्ली के बाहरी इलाके में उसकी नकल कर बनाए मॉडल टाउन में बसना, जो कि दिल्ली यूनिवर्सिटी से काफी दूर है; लायलपुर नाम के शहर में अपने घर की याद में, जो अब है ही नहीं, जालंधर में बनाए लायलपुर सीनियर सेकेंडरी गर्ल्स स्कूल जैसे स्कूलों में अपने बच्चों को भेजना। लायलपुर का नया नाम पिछले कुछ सालों से फैसलाबाद हो गया है, लेकिन जालंधर में लोगों को कौन समझाए।

याद्दाश्त के साथ यही समस्या है-आपने जो अपनी आंखों से देखा हो, वह ओझल नहीं हो पाता या जो सुनी थीं, वह आवाज़ें भुलाए नहीं भूलतीं। भले ही आप उसे व्यक्तिगत रूप से देख या सुन नहीं सकते हों, लेकिन विगत की यादें असहज दु:स्वपन बनाने के लिए काफी होती हैं। चंडीगढ़ में मेरे मित्र अपने माता-पिता को 'मैं वापस आऊंगा' दिखाने से कतरा रहे हैं, कि कहीं ऐसा न हो कि वे उस आघात को पुन: जीएं, जिससे वे गुजर चुके हैं। ऐसा नहीं है कि पंजाब आघातों से अपरिचित है। 'बदला और सुलह' यह दो भाव, जैसा कि राजमोहन गांधी ने इसी नाम की अपनी किताब में बहुत भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया है, पंजाब में इनकी गूंज दशकों, यहां तक कि सदियों तक रही है। यदि दिल्ली 'सोने की चिड़िया' किसी लुटेरे की महत्वाकांक्षा की पराकाष्ठा है, तो उस तक पहुंचने का रास्ता पंजाब से होकर है और इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए पंजाब की सभी नदियों को पार करना पड़ता था। कुछ को अपनी मंजिल तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया गया, इनमें सर्वाधिक उल्लेखनीय है ईसा पूर्व 326 में सिकंदर का विश्व विजय अभियान रथ रोक देना पंजाब में रोके जाने के बाद उसे उल्टी दिशा पकड़नी पड़ी और वापस लौट गया। यह भारत का एकमात्र राज्य है जिसके नाम के साथ 'द' आर्टिकल लगाना जरूरी होता है। इस बीच, समय की धारा अपने साथ, इसकी नदियों की भांति, हमलावरों, घुसपैठियों, लोकतंत्रवादियों, हत्यारों, आतंकवादियों, सशस्त्र विद्रोहियों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को बहाती चली गया- यह सूची अंतहीन है, जिसमें हर किस्म के चाहे-अनचाहे पाप शामिल हैं।

इन दिनों, जबकि मॉनसून पूरे देश में छा चुका है, हमारी नदियां उफान पर हैं। चिनाब, जिसे आज भी पंजाब की नदी कहा जाता है, हालांकि यह 1947 के बाद से भारतीय पंजाब की सीमा से परे बहती है, पाकिस्तानी पंजाब में घुसने से पहले जम्मू इलाके में अपने किनारों पर दहाड़ती है — आप इसके बहाव को रोक नहीं सकते। ऑपरेशन सिंदूर से पहले हो या बाद में, भूगोल राजनीति का गुलाम नहीं हो सकता। चिनाब की बात की जाए तो, सतलुज का जिक्र कैसे छूट सकता है-यहां नदी नहीं, फिल्म की बात है। पूरे पंजाब ने इसे देख लिया है, या देख रहा है- गांव की कमेटियों द्वारा लगाई गई बड़ी स्क्रीन पर, किसी गुरुद्वारे के साए में या खुले मैदान में, शाम ढलने के बाद, केंद्र द्वारा लगाया प्रतिबंध नजरअंदाज करते हुए। यहां तक कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी भी राजधानी के बीचोंबीच इसके शो चला रही है। यह अजीब विडंबना है।

हर राजनीतिक दल सावधानीपूर्वक निगाह रखे हुए है, क्योंकि चुनाव में मुश्किल से छह माह बचे हैं, उनमें से हर कोई अच्छी तरह जानता है कि अगर वे सही बात नहीं कहेंगे, या सही शब्दों का इस्तेमाल नहीं करेंगे, तो वे राज्य में चल रही भावनाओं की लहर में बह सकते हैं। 'द ट्रिब्यून' में मेरे हर सहयोगी का कहना है कि 'हर कोई सब कुछ जानता है, उन सालों में क्या हुआ था'। लेकिन असल में इसका मतलब क्या है? सतलुज में ऐसा क्या है जिसने पंजाब की संवेदनाओं को छू दिया है? क्या केंद्र सरकार के प्रतिबंध का सच में मतलब है कि यह बहुत जल्दबाजी में लिया निर्णय है, कि पंजाब को अपनी भयावहता को देखने के लिए कुछ और दशक चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे 'मैं वापस आऊंगा' ने 80 साल बाद किया है, और यह कि अंधियारे को न छेड़ना ही बेहतर है, चुनौती देना तो दूर की बात। आखिर, सच तो यह कि दिलजीत दोसांझ 'पिंड' में अपने घर नहीं, बल्कि 'अमेरिका' में रहते हैं।

डर यह है कि पंजाब में फिर से कहीं दरार पैदा न हो जाए। लोग दो पक्षों में बंट जाएंगे। यह आलोचना कि फिल्म 'बहुत ज़्यादा एकतरफा' है, इसका असल में मतलब है कि सिर्फ़ एक पक्ष, मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा का पक्ष ही सामने रखा गया है। यह नहीं कि कैसे आतंकवादियों ने बेगुनाह लोगों, हिंदू और सिख, दोनों को मार डाला। यह नहीं कि कैसे पंजाब पुलिस के जवानों को भी आतंकियों ने निशाना बनाया और उनके परिवारों को कितनी तकलीफ हुई। कैसे हिंदुओं को भुगतना पड़ा। यह भी नहीं कि कैसे आस्थावान हिंदुओं और सिखों ने सामना किया। निश्चित रूप से यह भी नहीं दिखाया कि कैसे पाकिस्तान ने पंजाब में पहले से जल रही आग को और भड़काया।

सच तो यह है कि फिल्म सतलुज ने सतह को खरोंच दिया है, एक स्याह, बदसूरत पक्ष उघाड़ते हुए- यह अभी साफ नहीं कि लोग इसे कैसे लेंगे। फिल्म में खालड़ा के हवाले से कहा गया है कि 25,000 बेगुनाह लोग मारे गए थे। साल 2019 में द ट्रिब्यून में लिखते हुए, सुरक्षा विश्लेषक और पंजाब के पूर्व पुलिस महानिदेशक केपीएस गिल के रिश्तेदार, अजय साहनी ने बताया है कि 1981 और 1995 के बीच- जिस साल तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह और खालड़ा दोनों मारे गए थे—11,696 आम लोग और सुरक्षा बलों के 1,746 जवान (पंजाब पुलिस के 1,415) आतंकवादियों ने मारे, जबकि पुलिस ने 8,090 आतंकवादियों को मार गिराया। यानी कुल 21,532 लोग। इस बीच, सोशल मीडिया दावों और जवाबी-दावों से भरा हुआ है, आवाज़ और गुस्से, दोनों के जरिए। भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू का एक्स हैंडल उस समय की ब्लैक-एंड-व्हाइट वीडियो से भरा पड़ा है, जिसमें क्लीन-शेव मृत लोग दिख रहे हैं- किसी का भी चेहरा ढका नहीं है। आप सही में ये सवाल पूछ सकते हैं: ये वीडियो अब क्यों सामने लाये जा रहे, और उन्हें सोशल मीडिया के सख्त सेंसर से कैसे बचने दिया जा रहा लेकिन जब बिट्टू ने मेरी सहयोगी शिवानी भाकू से कहा कि फिल्म पर प्रतिबंध भाजपा ने नहीं लगाया। तो शायद उन्होंने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का आदेश नहीं देखा है।

पिछले हफ़्ते इस अख़बार के एक संपादकीय का शीर्षक था, 'सतलुज को बहने दो', जिसमें कहा गया था कि पंजाब के सामूहिक संताप तभी कम हो पाएगा जब ज़्यादा से ज़्यादा लेखक, फिल्म निर्माता, मीडिया, सब लोगङ्क इस बारे बात करें कि क्या हुआ, कैसे हुआ, और शायद क्यों हुआ। सामूहिक संत्रास पर मरहम रूपी सामूहिक शोक की ज़रूरत होती हैङ्क न कि किसी पर उंगली उठाना या नाम लेना, या दोषरोपण करना। न तो कांग्रेस, न ही अकाली दल या भाजपा (जब वह अकाली दल के साथ गठबंधन में थी) ने सत्ता में रहने के दौरान इस दिशा में कुछ खास किया है। 'मैं वापस आऊंगा' देखने में 80 साल गए, इस बीच वह पीढ़ी गुज़र गई और यह आज भी आंसू ला देने वाली फ़िल्म है। 112 साल हो गए हैं जब पंजाब ने पहले विश्व युद्ध में ब्रिटिश सेना की तरफसे लड़ने के लिए पांच लाख लोग भेजे थे — रविवार को, द ट्रिब्यून में लेख है कि कैसे उनमें से 9,909, जिन्हें भुला दिया गया था और इतिहास के कूड़ेदान में डाल दिया गया था, आखिरकार उनकी शहादत को मान्यता मिली। पंजाब में आतंकवाद खत्म हुए लगभग 30 साल हो गए – अपने बुरे अतीत को भूलने या नकारने के लिए नहीं, बल्कि याद करने और जख्म भरने के लिए हमें पहला कदम उठाना चाहिए। और वह वक्त यही है।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

आज के युवा एक-दूसरे को कमिटमेंट देने से डरते क्यों हैं?

रश्मि बंसल

दुनिया में दो तरह के मां-बाप होते हैं : एक जो अपने बच्चों की हरकतों से 'अनजान' हैं। और दूसरे, जो अपने बच्चों की हरकतों से 'परेशान' हैं।

मेरा इशारा है उन 'बच्चों' की तरफ है, जो नाक-नक्श और कानून के हिसाब से तो बालिग हो गए हैं। लेकिन मां-बाप की नजर में अब भी 'बच्चे' हैं। और शायद हमेशा रहेंगे। सब को पता है आजकल लड़के-लड़कियां डेटिंग ऐप्स पर प्रोफाइल बनाते हैं, एक-दूसरे से मिलते हैं, लेकिन 'अनजान' कैटेगरी वाले मां-बाप सोचते हैं- करते होंगे, मेरा पप्पू ऐसा नहीं।

जब वो अपने लाडले से पूछते हैं तो झट जवाब मिलता है, नहीं तो। मैं इन लफड़ों में नहीं पड़ता। पप्पू जानता है कि उसकी मां सच सुन नहीं पाएंगी। असल में वो हर महीने किसी नई लड़की के साथ डेट पर जाता है, लेकिन अगर घर में पता चल गया तो रोज किट-किट होगी। जब भी वो घर से निकलेगा, मां शक की नजर से देखेगी। जब घर लौटेगा, तो पूछताछ होगी। इसलिए बेहतर है, झूठ बोलना।

हां, झूठ बोलकर भी सावधानियां बरतनी पड़ती हैं। आजकल मम्मी भी तो सोशल मीडिया पर उतर गई हैं। इसलिए, एक 'सात्विक' अकाउंट है- चाची-बुआ-दीदी टाइप के लोगों की नजरों के लिए। कि देखो, मैं कितना अच्छा बच्चा हूं। और दूसरा अकाउंट है प्राइवेट, सिर्फ अपने खास वालों के लिए। इस अकाउंट में उसका असली रूप दिखता है- 'हां, मुझे यह सब पसंद है पर आपकी नजरों में गंद है। तो क्या आपके पुराने खयालात की वजह से अपनी लाइफ बर्बाद कर दूं?'

और अगर पप्पू नहीं पम्मी हो, तब तो और भी मुसीबत। लड़कों का छिछोरापन तो मां-बाप बर्दाश्त कर भी लें, लेकिन लड़कियों का कैसे? इसलिए वहां तो सच कहने-सुनने का सवाल पैदा ही नहीं होता। नमस्ते अंकल, नमस्ते आंटी करते हुए वो चली किसी से मिलने कैफे में। वैसे ऐसा नहीं है कि मां-बाप ने अपनी जवानी में बिल्कुल भी इश्क नहीं लड़ाया। शायद वो भी किसी को पसंद करते थे कॉलेज में, लेकिन इजहार नहीं कर पाए। या फिर थोड़े दिन चक्कर भी चला पर किसी अंजाम पर पहुंच नहीं पाया। लेकिन रोमांस हुआ भी तो एक से या दो से। किसी का प्यार पाना पहले बहुत दुर्लभ था।

अब क्या? डेटिंग एप पर जाओ, फोटो चिपकाओ और दुनिया भर की चॉइस। सिर्फ उंगलियां चलानी पड़ती हैं। प्रोफाइल में तो आप कुछ भी लिख सकते हैं, सो लिख देते हैं। जब मिले तो पता चला कि स्वीटी 5 फीट 6 इंच नहीं, 5 फीट की ही है। और सनी की फोटो तो ठीक थी, लेकिन नहाता नहीं है। उफ!

कोई नहीं, कल फिर ट्राय करेंगे! बाय चांस दो लोग 'क्लिक' हो भी गए, तो कुछ ही दिनों बाद उनमें से एक को डाउट होता है कि क्या यह मेरे लिए ठीक है? क्योंकि एक-दूसरे को थोड़ा जानने के बाद उसकी खामियां नजर आने लगती हैं।

तो चलो, एक बार फिर उंगलियों का खेल शुरू- राइट स्वाइप, लेफ्ट स्वाइप- 'हाय, हाऊ आर यू?' मैं ऐसी मां हूं, जिससे अपनी बालिग बेटी की कोई बात छुपी नहीं। शुरू से मैंने उसे कहा था- जो भी हो, डरना नहीं, मुझे बता देना। इसलिए मुझे अपनी बेटी और उसके फ्रेंड्स ग्रुप की डेटिंग लाइफ की काफी जानकारी है। जरूरत से ज्यादा जानकारी! और इसीलिए मैं कहती हूं कि जो मां-बाप सच जानते हैं, वो 'परेशान' होते हैं।

परेशानी यह कि लड़के-लड़कियां आज इतने डरते क्यों हैं, एक-दूसरे को कमिटमेंट देने में मरते क्यों हैं? कोई ऐश्वर्या तो तुम्हें मिलने वाली नहीं, और मिल भी गई तो कहानी वही। हर इंसान में होती हैं कुछ कमियां, बस समझ हो लड़का-लड़की के दरमियां।

आजकल मान के चलो शादी से पहले डेट सब करते हैं। और जो कहते हैं- 'नहीं', बस आपसे डरते हैं। सच कड़वा लग सकता है मगर झूठ से सस्ता है। क्योंकि प्यार में पागल बच्चा कुछ भी कर सकता है। आपको उसके आचरण से धक्का लगा, तो वही सही। कम से कम किसी निर्दोष को धक्का लगे नहीं!

मैं ऐसी मां हूं, जिससे अपनी बालिग बेटी की कोई बात छुपी नहीं। शुरू से मैंने उसे कहा था- जो भी हो, डरना नहीं, मुझे बता देना। इसलिए मुझे अपनी बेटी और उसके फ्रेंड्स ग्रुप की डेटिंग लाइफ की काफी जानकारी है। जरूरत से ज्यादा जानकारी!

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

स्वयं सहायता समूहों से सशक्त होंगे वरिष्ठ नागरिक

सुरेश सेठ

आज हजारों वरिष्ठ नागरिक स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इस मॉडल को विस्तार देने की आवश्यकता है, ताकि वरिष्ठ नागरिक आत्मनिर्भर बनें, एक-दूसरे का सहयोग करें और अपने अनुभव से समाज व अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान दे सकें।

देश में जनगणना का कार्य प्रारंभ हो चुका है। वर्तमान में प्रथम चरण के अंतर्गत आवासीय जनगणना की जा रही है। दूसरे चरण में प्रत्येक परिवार तथा बेघर व्यक्तियों की जनगणना होगी। इससे पहले नागरिकों को अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज करने का अवसर दिया जाएगा। इसके बाद जनगणना अधिकारी घर-घर जाकर विवरण का सत्यापन और आवश्यक जानकारी एकत्र करेंगे। जनगणना से प्राप्त आंकड़े देश की जनसंख्या, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का सही आकलन करने में सहायक होते हैं। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर सरकार विभिन्न वर्गों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाएं और कल्याणकारी नीतियां अधिक प्रभावी ढंग से तैयार करती है।

जनगणना से जुड़ी शुरुआती चर्चाओं के बीच एक महत्वपूर्ण चिंता देश की बदलती जनसांख्यिकीय संरचना को लेकर सामने आ रही है। भारत की कुल प्रजनन दर अब प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से नीचे पहुंच चुकी है, जिससे भविष्य में युवाओं की हिस्सेदारी घटने और बुजुर्ग आबादी बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। महानगरों में विवाह की बढ़ती उम्र, कम संतान की प्रवृत्ति तथा बदलती जीवनशैली भी इस परिवर्तन के प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। वहीं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और बढ़ती जीवन प्रत्याशा के कारण वरिष्ठ नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में जनगणना के आंकड़े देश की भावी सामाजिक, आर्थिक और जनसंख्या संबंधी नीतियों के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

चीन और जापान जैसे देशों ने वृद्ध होती आबादी की चुनौती का सामना किया है। वहां वरिष्ठ नागरिक अनुभव और कौशल के आधार पर आज भी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। भारत लंबे समय तक स्वयं को युवाओं का देश मानता रहा, लेकिन घटती प्रजनन दर और बढ़ती जीवन प्रत्याशा भविष्य में बुजुर्ग आबादी के बढ़ने का संकेत दे रही है। ऐसे में वरिष्ठ नागरिकों को केवल आश्रित नहीं, बल्कि उत्पादक संसाधन के रूप में देखने की आवश्यकता है। दुर्भाग्य से देश में अनेक बुजुर्गों को पर्याप्त सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और सुविधाएं नहीं मिल पातीं। परिवारों के विघटन और उपेक्षा की बढ़ती घटनाओं के बीच सरकार और समाज दोनों को वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा और सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की होगी।

इस दिशा में एक सकारात्मक पहल वर्ष 2004 में तमिलनाडु में सुनामी के बाद सामने आई। आर्थिक संकट के बावजूद अनेक वरिष्ठ नागरिकों ने हार मानने के बजाय स्वयं सहायता समूह (सेल्फ हेल्प ग्रुप) बनाकर आत्मनिर्भर बनने का प्रयास शुरू किया। प्रारंभ में सरकारी स्तर पर पर्याप्त योजनाएं या प्रोत्साहन नहीं थे, फिर भी यह पहल लगातार आगे बढ़ती रही। आज यह अभियान तमिलनाडु से निकलकर कई राज्यों तक पहुंच चुका है। आज हजारों वरिष्ठ नागरिक स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इस मॉडल को विस्तार देने की आवश्यकता है, ताकि वरिष्ठ नागरिक आत्मनिर्भर बनें, एक-दूसरे का सहयोग करें और अपने अनुभव से समाज व अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान दे सकें।

वरिष्ठ नागरिकों के स्वयं सहायता समूहों ने आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल पेश की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इन समूहों से जुड़े लगभग 70 प्रतिशत बुजुर्ग आर्थिक रूप से सशक्त बने हैं। नियमित छोटी बचत के आधार पर उन्होंने करोड़ों रुपये का सामूहिक कोष तैयार किया, जिससे जरूरतमंद सदस्यों को ऋण उपलब्ध कराया गया और आय के नए अवसर भी विकसित हुए। बिहार के सुपौल जिले का यह मॉडल विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जहां कई बुजुर्ग आर्थिक रूप से सशक्त होकर सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं। इस पहल की सफलता को देखते हुए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के स्वयं सहायता समूहों की अवधारणा को भी प्रोत्साहन देना शुरू किया है। यह मॉडल आत्मनिर्भर और सम्मानजनक वृद्धावस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

वास्तविक समाधान तभी संभव है, जब प्रशासन, समाज और वरिष्ठ नागरिक मिलकर कार्य करें। बढ़ती उम्र के कारण भले ही बुजुर्ग शारीरिक रूप से पहले जैसे सक्रिय न रहें, लेकिन उनका अनुभव, ज्ञान और निर्णय क्षमता समाज की अमूल्य पूंजी है। उन्हें ऐसे कार्यों में अवसर दिए जाने चाहिए, जहां मार्गदर्शन, सलाह और अनुभव की आवश्यकता हो। युवा ऊर्जा और वरिष्ठों के अनुभव का समन्वय राष्ट्र निर्माण को नई दिशा दे सकता है। वरिष्ठ नागरिकों को केवल सहायता का पात्र नहीं, बल्कि विकास प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार बनाया जाना चाहिए। कुछ राज्यों में स्वयं सहायता समूहों की सफल पहल इसकी संभावना सिद्ध कर चुकी है। अब आवश्यकता है कि सरकार और समाज मिलकर इस मॉडल को व्यापक स्तर पर अपनाएं।

लेखक साहित्यकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

बढ़ती जनसंख्या के विरुद्ध किया जागरुक, निकाली रैली

भिलाई। विश्व जनसंख्या दिवस पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई तीन अंतर्गत कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा मनाया गया। मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू थे। अध्यक्षता प्राचार्य निशा जैन ने की। वहीं विशेष अतिथि वार्ड पार्षद फिरोज फारूखी, प्रेमलता चंद्राकर, चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रीतिका साहू,गीता वर्मा तथा बी ई टी ओ सैय्यद असलम थे। कार्यक्रम में बढ़ती हुई जनसंख्या पर 11 वीं एवं 9 वी की छात्र छात्राओं ने निबंध लेखन और संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त किए। जनसंख्या स्थिरीकरण को लेकर जागरूकता आधारित पोस्टर स्कूली बच्चों ने बनाए। बी ई टी ओ सैय्यद असलम ने बताया कि जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा में परिवार नियोजन के स्थाई साधन और अस्थाई साधनों के तहत रोजाना 11 जुलाई से 18 जुलाई तक पुरुष नसबंदी और महिला नसबंदी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन, झीठ और जिला अस्पताल दुर्ग और लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला सहित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में निशुल्क होगी।

डेंगू प्रतिरक्षण अभियान के लिए 81 अभ्यर्थियों को दिया गया प्रशिक्षण

भिलाई। बीएसपी के जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा डेंगू की रोकथाम एवं नियंत्रण के उद्देश्य से डेंगू प्रतिरक्षण अभियान का आयोजन किया गया। जिला चिकित्सा विभाग के जिला सर्विलेंस अधिकारी डॉ. सीबीसी बंजारे के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत पंजीकृत 120 अभ्यर्थियों में से 81 अभ्यर्थी प्रशिक्षण में शामिल हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन जन स्वास्थ्य विभाग के सहायक महाप्रबंधक रमेश गुप्ता तथा डीपीएस ब्रार द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को डेंगू फैलाने वाले मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने (सोर्स रिडक्शन), एंटी-लार्वा रसायनों के छिड़काव, फॉगिंग तथा घर-घर जाकर नागरिकों को डेंगू से बचाव के प्रति जागरूक करने संबंधी व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

एमएसएमई आइडिया हैकथॉन 6.0 के माध्यम से नवाचार और नई तकनीक को मिलेगा बढ़ावा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़, भिलाई एवं रुंगटा यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में आज "MSME Idea Hackathon 6.0" विषय पर एक महत्वपूर्ण जानकारी सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उद्योग एवं व्यापार जगत से जुड़े उद्यमियों को नवाचार (Innovation), नई तकनीक (Technology) एवं आधुनिक विचारों के माध्यम से उद्योगों की समस्याओं के समाधान की जानकारी दी गई। रूंगटा यूनिवर्सिटी से विशेषज्ञों ने बताया कि यदि किसी उद्योग या व्यापार में उत्पादन, गुणवत्ता, लागत, विपणन अथवा अन्य किसी प्रकार की समस्या है, तो उसका समाधान नवाचार आधारित तकनीकों और नए आइडियाज़ के माध्यम से किया जा सकता है। डेमोग्राफ़िक्स

कार्यक्रम में उपस्थित उद्योगपतियों एवं व्यापारियों से आग्रह किया गया कि वे अपने उद्योगों की समस्याओं को साझा करें, ताकि विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं एवं युवा इनोवेटर्स की सहायता से उनके व्यावहारिक एवं प्रभावी समाधान विकसित किए जा सकें। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि MSME

Idea Hackathon 6.0 केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि उद्योग, शिक्षा और नवाचार को जोड़ने वाला एक सशक्त मंच है, जो स्थानीय उद्योगों को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा ने कहा कि युवा नवाचार के माध्यम से उद्योग जगत को एक व्यवहारिक समाधान मिलेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उद्योगपति, व्यापारी, शिक्षाविद एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे और सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे उद्योगों के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल जी के नेतृत्व में यू के बिजनेस डेलिगेशन से लौटे डॉ जितेंद्र गुप्ता ने अपने अनुभव शेयर किए। उन्होंने बताया कि उद्योग और यूनिवर्सिटी एक ही है दोनो एक दूसरे की जरूरत है। आज भारत मे उद्योग तकनीक के मामले में आज निरंतर अग्रसर हो रहै है।उद्योग में ए आई व रोबोटिक का उपयोग बढ़ाना पड़ेगा।डिजिटल इंडिया तभी होगा जब हम डिजिटल होंगे। यू के अनुभव में क्वालिटी उत्पादन पर जोर दिया गया । इस मौके पर अनुराग शर्मा, राहुल मिश्रा, लघु उद्योग भारती के जिला अध्यक्ष संजय मिश्रा, विनोद सोनी, महिला चेम्बर अध्यक्ष सुमन कनोजे, प्रभारी सरोजनी पाणिग्रही, रश्मि वर्मा,सुनीता सोनी, विकास जायसवाल व अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचना शंकर सचदेव ने दी।

मेगा मेडिकल कैम्प : 843 पुलिसकर्मियों एवं पुलिस परिवारजनों का हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

■ **22 विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दिया स्वास्थ्य परामर्श**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस एवं जन मित्र के अंतर्गत मेघगंगा ग्रुप एवं स्पर्श अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को नई पुलिस लाइन, टगड़ा बांध, दुर्ग में एक दिवसीय मेगा मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया। यह शिविर सुबह 8 बजे से सायं 4 बजे तक आयोजित किया गया। जिसमें जिला पुलिस बल, सशस्त्र पुलिस बल, नगर सेना, एसडीआरएफ, सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों तथा उनके परिवारजनों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

इस मेगा मेडिकल कैम्प में कुल 843 पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं पुलिस परिवारजनों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श किया गया। हितग्राहियों को आवश्यक जांच, उपचार संबंधी परामर्श एवं स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। कैम्प की सफलता में मेघगंगा ग्रुप की चिकित्सा टीम, स्पर्श अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं मेडिकल स्टाफ तथा लाइफ केयर डायग्नोस्टिक सेंटर की पैथोलॉजी एवं जांच टीम का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम द्वारा वृक्षारोपण कर किया गया। इसके उपरांत उन्होंने मेगा

मेडिकल कैम्प का विधिवत उद्घाटन कर विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण काउंटरों, पैथोलॉजी जांच केंद्र, नेत्र परीक्षण, दंत परीक्षण एवं विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श कक्षों का निरीक्षण किया तथा चिकित्सकों एवं पुलिस अधिकारियों से चर्चा कर उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त की।

इस मौके पर पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने कहा कि पुलिसकर्मी निरंतर चुनौतीपूर्ण एवं तनावपूर्ण परिस्थितियों में कार्य करते हैं। ऐसे में उनके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, संतुलित आहार, योग एवं व्यायाम को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर अनेक गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों को पुलिस कल्याण की दिशा में अत्यंत उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी नियमित रूप से ऐसे आयोजन किए जाने पर बल दिया।

पुलिस महानिरीक्षक, दुर्ग रेंज अभिषेक शांडिल्यने अपने संबोधन में कहा कि पुलिसकर्मियों की निरंतर ड्यूटी एवं अनियमित दिनचर्या का स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे में समय-समय पर आयोजित होने वाले स्वास्थ्य शिविर न केवल गंभीर बीमारियों की प्रारंभिक पहचान में सहायक होते हैं, बल्कि स्वस्थ एवं कार्यक्षम पुलिस बल के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, दुर्ग विजय कुमार अग्रवालने कहा कि पुलिसकर्मियों की व्यस्त एवं चुनौतीपूर्ण कार्यशैली को ध्यान में रखते हुए इस मेगा मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारजनों को भी इस शिविर में शामिल किया गया, जिससे उन्हें भी विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाओं का लाभ मिल सके तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़े।

मेगा मेडिकल कैम्प में 22 विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में प्रमाणित लाइफ केयर डायग्नोस्टिक सेंटर द्वारा पैथोलॉजी जांच, संपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण, नेत्र परीक्षण , दंत परीक्षण तथा विभिन्न सुपर स्पेशलिटी विभागों की चिकित्सा सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गईं। शिविर में डॉ. एपी सावंत, डॉ. सुधीर गांगेय, डॉ. प्रीति गांगेय, डॉ. जोगेश चंद्र, डॉ. आदर्श त्रिवेदी, डॉ. रश्मि वर्मा, डॉ. दीपक वर्मा, डॉ. अमरीश गर्ग, डॉ. मोनीदीपा साहा, डॉ. अभिषेक महोबिया, डॉ. तरुण ध्रुव, डॉ. तिलेश खुसरो, डॉ. रेखराज साहू, डॉ. ट्विंकल चंद्राकर, डॉ. रिद्धि अरोरा, डॉ. अभिजीत जैन, डॉ. नितिन कथुरिया, डॉ. चिराग अग्रवाल, डॉ. प्रांजल मेश्राम, डॉ. श्रुति सिंह एवं डॉ. बाला सुब्रमण्यम सहित विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

कार्यक्रम में अभिजीत सिंह कलेक्टर दुर्ग, सुखनंदन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर), हर्षित मेहर, नगर पुलिस अधीक्षक दुर्ग, प्रशांत सिंह पैकरा नगर पुलिस अधीक्षक छावनी, चंद्र प्रकाश तिवारी उप पुलिस अधीक्षक (लाइन), सत्यप्रकाश तिवारी नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर आदि उपस्थित रहे।

भिलाई में एक शाम मरहूम शायरों के नाम'' संपन्न

भिलाई। आईना-ए-अदब उर्दू-हिंदी संगम तंजीम भिलाई-दुर्ग छत्तीसगढ़ की ओर से एक नशिस्त काव्य गोष्ठी ''एक शाम मरहूम शायरों के नाम'' का आयोजन शनिवार 11 जुलाई को इंडियन कॉफी हाउस सुपेला में किया गया। शुरुआत में शमा रौशन करने के बाद इरफान उद्दीन इरफान ने नात शरीफ पेश की और मिताली श्रीवास्तव वर्मा ने सरस्वती वंदना की। आयोजन के मेहमान ए खुसूसी नीलम चंद सांखला सेवानिवृत्त न्यायाधीश बिलासपुर हाईकोर्ट थे। सदारत उस्ताद शायर अब्दुस्सलाम कौसर राजनांदगांव ने की। विशेष अतिथि के तौर पर उर्दू के अफसाना निगार शायर डॉ. रौनक जमाल आदर्श नगर दुर्ग, लतीफ खान लतीफ दल्लीराजहरा, शायर अब्दुल वहीद खान रिटायर्ड सब डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर दुर्ग, प्रदीप भट्टाचार्य अध्यक्ष 'आरंभ', शायरा नुरुस्सबाह खान 'सबा', 'कला परंपरा' के अध्यक्ष डॉ डी. पी. देशमुख रिसाली और कवि ओमप्रकाश शर्मा थे। आयोजन की सराहना करते हुए सभी मेहमानों ने उर्दू-हिंदी साहित्य की तरक्की के लिए मिलजुल कर योगदान देने की बात कही।

शासकीय नर्सिंग कॉलेज दुर्ग में 'सिमुलेशन'आधारित प्रशिक्षण पर दो दिवसीय कार्यशाला का समापन

■ **सेवा भावना से परिपूर्ण है नर्सिंग का पेशाः रिकेश**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शासकीय नर्सिंग कॉलेज दुर्ग की दो दिवसीय कार्यशाला का समापन सीए भवन सिविक सेंटर में शनिवार की शाम हुआ। यहां दो दिन तक 'सिमुलेशन'आधारित प्रशिक्षण पर व्याख्यान और डेमो (प्रदर्शन) हुए। जिसमें नर्सिंग फैकल्टी और स्टूडेंट ने बड़ी तादाद में भागीदारी दी।

उल्लेखनीय है कि विद्यांता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट ने नर्सिंग कॉलेज दुर्ग के सहयोग से इंटरनेशनल नर्सिंग एसोसिएशन फॉर

क्लिनिकल सिमुलेशन फॉर लर्निंग-इंडिया आरआईजी की यह दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की थी।

कार्यशाला का समापन सत्र शनिवार को दोपहर बाद आयोजित किया गया। इस दौरान अतिथियों के स्वागत उपरांत अपना स्वागत भाषण देते शासकीय नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. रीमा राजेश ने दो दिवसीय आयोजन की विस्तार से जानकारी दी और उम्मीद जताई कि यहां 'सिमुलेशन'आधारित प्रशिक्षण से नर्सिंग फैकल्टी और स्टूडेंट को बहुत कुछ सीखने मिलेगा।

भिलाई निगम में आयुक्त राजीव कुमार पांडेय को दी गई भावभीनी विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पांडेय का स्थानांतरण अपर आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग, नवा रायपुर के पद पर होने पर निगम परिवार द्वारा एक भव्य एवं भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। होटल अमित पार्क इंटरनेशनल, भिलाई में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों ने नम आंखों से अपने लोकप्रिय आयुक्त को विदाई दी।

अधिकारियों के विशेष आग्रह और स्नेहपूर्ण निवेदन पर निगम आयुक्त अपने सपरिवार एवं बच्चों के साथ कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। विदाई समारोह के दौरान पूरा माहौल काफी भावुक नजर आया। उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने निगम आयुक्त के कार्यकाल के दौरान किए गए विकास कार्यों, उनके कुशल मार्गदर्शन और

सौम्य व्यवहार को याद किया। कार्यक्रम के दौरान सभी वक्ताओं ने उनके उच्च व्यक्तित्व, कुशल प्रशासन, कार्य के प्रति समर्पण, बेहतर कार्यशैली एवं तत्काल निर्णय लेने की क्षमता सहित कई खूबियों को याद किये ।

निगम आयुक्त सभी अधिकारियों के विशेष कार्यों को याद करते हुए कहा कि सभी बेहतर कार्य करते हैं। जो भी बड़ी परियोजना संचालित है उसे ज़िम्मेदारी से निर्वहन करते हुए पूर्ण करने की जिम्मेदारी दिये हैं जिससे संपूर्ण शहर वासियों को आने वाले समय में लाभ मिले । निगम आयुक्त प्रधानमंत्री आवास योजना, निर्माणाधीन स्विमिंग पूल, नालंदा परिसर, हॉर्स राइडिंग, स्केटिंग ट्रैक, रेलवे किनारे बायपास रोड जैसे अन्य बड़ी परियोजना को याद किये । उन्होंने कार्य के दौरान जनप्रतिनिधियों, शहरवासियों एवं अधिकारी व कर्मचारियों के साथ अनजाने में गलती के लिए खेद प्रकट किये।

इस अवसर पर भिलाई निगम के तमाम वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा, उपायुक्त डी के कोसरिया, जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, येशा लहरे, कुलदीप गुप्ता, कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, संजय वर्मा, अनिल सिंह, नितेश मेश्राम, लेखाधिकारी चन्द्रभूषण साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उद्यान सह जनसंपर्क अधिकारी तिलेश्वर साहू, राजस्व अधिकारी जे पी तिवारी, सहायक अभियंता श्वेता वर्मा, श्वेता माहेश्वर, चंद्रकांत साहू, बसंत साहू, वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के के सिंह, अनिल मेश्राम, दौलत चंद्राकार, शंकर सुवन मरकाम, पुरुषोत्तम सिन्हा एवं अशोक देवांगन सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

महिला थाना परिसर में डीजीपी गौतम ने किया विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण

■ **शहीद रजनीकांत की 17वीं पुण्यतिथि पर दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशकअरुण देव गौतम के दुर्ग प्रवास के दौरान महिला थाना, सेक्टर-6 परिसर में पुलिस अधोसंरचना विकास से संबंधित विभिन्न निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का विधिवत लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम के दौरान बैठक व्यवस्था, राजपत्रित अधिकारी मेस के सौंदर्यकरण, पुलिस कंट्रोल रूम के उन्नयन तथा परिसर में पेवर ब्लॉक निर्माण जैसे विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया।

पुलिस महानिदेशक ने इस अवसर पर कहा कि बदलते समय के अनुरूप पुलिस अधोसंरचना का सुदृढ़ एवं आधुनिक होना अत्यंत आवश्यक है। बेहतर कार्यालयीन वातावरण, सुव्यवस्थित कार्यस्थल तथा

आधुनिक सुविधाएं न केवल पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यक्षमता और मनोबल को बढ़ाती हैं, बल्कि आम नागरिकों को भी अधिक प्रभावी, त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने पुलिस भवनों एवं कार्यालयों के व्यवस्थित रख-रखाव, स्वच्छता, तकनीकी उन्नयन तथा नागरिक अनुकूल वातावरण विकसित करने पर विशेष बल दिया।

लोकार्पण कार्यक्रम के पश्चात पुलिस महानिदेशक थाना नेवई क्षेत्र अंतर्गत जोहार चौक, रिसाली पहुंचे, जहां वर्ष 2009 की मदनवाड़ा नक्सल घटना में वीरगति को प्राप्त शहीद रजनीकांत की 17वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में सम्मिलित हुए। रिसाली स्थित शहीद रजनीकांत सिंह के स्मारक स्थल पर प्रेम संगवारी बहुद्धेशीय सेवा समिति के तत्वाधान में आयोजित कार्याक्रम में प्रदेश के डीजीपी अरुण देव गौतम की उपस्थिति में शहीद जवान की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर शहीद जवान की पत्नी पिंकी साहू व पूरा परिवार उपस्थित रहा।

कार्यक्रम के दौरान प्रेम संगवारी बहुद्धेशीय सेवा समिति के संयोजक विष्णु पाठक की उपस्थिति में डीजीपी अरुण देव गौतम ने शहादत दिवस को याद किया और शहीद जवान की पत्नी पिंकी साहू से मिलकर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने किसी भी तरह की समस्या होने पर पुलिस परिवार द्वारा मदद का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में प्रेम संगवारी बहुद्धेशीय सेवा समिति के अध्यक्ष मुकेश पाण्डेय, महासचिव रंग बहादुद सिंह सहित समिति के अन्य पदाधिकारी व सदस्य तथा क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

उन्होंने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा शहीद के अद्वितीय साहस, कर्तव्यपरायणता एवं राष्ट्र सेवा के सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि पुलिस संगठन अपने शहीद साथियों के त्याग, समर्पण और बलिदान को सदैव स्मरण रखता है। उनका जीवन प्रत्येक पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी के लिए कर्तव्यनिष्ठा, साहस, अनुशासन एवं राष्ट्र सेवा का प्रेरणास्रोत है। शहीदों की स्मृतियों का संरक्षण तथा उनके आदर्शों का अनुसरण करना पूरे पुलिस संगठन की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी शहीद रजनीकांत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया तथा राष्ट्र एवं समाज की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर दुर्ग रेंज के पुलिस महानिरीक्षकअभिषेक शांडिल्य, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सुखनंदन राठौर सहित जिले के अन्य राजपत्रित अधिकारी एवं पुलिस अधिकारियों के साथ ही स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

मिस्त्री के हाथों ने जब बनाया अपने सपनों का आशियाना

रायपुर। बरसों तक दूसरों के लिए ईंट-पत्थरों से सपनों का घर खड़ा करने वाले श्यामसिंह चंद्रवंशी के मन में भी एक छोटा-सा सपना पलता था। एक ऐसा पक्का घर, जिसमें उनका परिवार सुरक्षित और सम्मान के साथ रह सके। मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के विकासखंड मोहला के ग्राम गुहाटोला निवासी श्यामसिंह खेती के साथ राजमिस्त्री का काम कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सीमित आय के कारण उनका परिवार वर्षों तक कच्चे मकान में रहने को विवश था। बरसात के दिनों में टपकती छत, तेज हवाओं का डर और हर मौसम में परिवार की सुरक्षा की चिंता उनके जीवन का हिस्सा बन चुकी थी। ऐसे कठिन समय में प्रधानमंत्री आवास योजना उनके जीवन में उम्मीद की नई किरण बनकर आई। योजना के तहत मिली आर्थिक सहायता ने उस सपने को आकार देना शुरू किया, जिसे वे वर्षों से अपने मन में संजोए हुए थे। सबसे अच्छी बात यह रही कि एक मिस्त्री होने के नाते उन्होंने अपना घर किसी और से नहीं, बल्कि अपने ही हाथों से तैयार किया। अब उनका परिवार नए पक्के मकान में सम्मान और सुरक्षा के साथ रह रहा है। बच्चों को सुरक्षित वातावरण मिला है, जहाँ वे निश्चिंत होकर पढ़ाई कर सकते हैं। परिवार के चेहरों पर जो सुकून दिखाई देता है, वह शासकीय योजना की वास्तविक सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि यह योजना गरीब परिवारों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला रही है।

महतारी वंदन योजना से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते महिलाओं के कदम

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन रही है। योजना की 29वीं किस्त जारी होने के साथ ही जिले की हजारों महिलाओं की तरह जनपद पंचायत सूरजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत ऊँचडीह की निवासी हेमा सारथी के खाते में भी एक हजार रुपये की सहायता राशि अंतरित की गई। हेमा सारथी ने बताया कि उन्हें प्रतिमाह योजना की राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त होती है। मोबाइल पर राशि जमा होने का संदेश मिलते ही उन्हें आत्मविश्वास और संतोष का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि पहले अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उन्हें परिवार के अन्य सदस्यों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब योजना से प्राप्त राशि से वे अपनी व्यक्तिगत आवश्यकताओं को स्वयं पूरा कर पा रही हैं। उन्होंने बताया कि नियमित आर्थिक सहायता मिलने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और परिवार में उनकी सहभागिता भी अधिक सशक्त हुई है। योजना से प्राप्त राशि उनके लिए आर्थिक संबल साबित हो रही है तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निरंतर प्रेरित कर रही है। हेमा सारथी ने कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना से महिलाओं को सम्मानपूर्वक अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने का अवसर मिल रहा है तथा वे आत्मनिर्भरता की ओर मजबूती से कदम बढ़ा रही हैं।

कोरकोट्टी में हुई नक्सल घटना में शहीद पुलिस अधिकारी-जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 12 जुलाई 2009 को अविभाजित राजनांदगांव जिले के थाना मानपुर अंतर्गत कोरकोट्टी में नक्सलियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में तत्कालीन पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव स्वर्गीय विनोद चौबे सहित कुल 29 जवान माओवादियों के हमले में शहीद हो गए थे।

वीर शहीदों की सर्वोच्च शहादत को सम्मान देने 12 जुलाई 2026 को उनकी शहादत की 17 वीं पुण्यतिथि पर मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जिले के रक्षित केंद्र मोहला स्थित अमर जवान प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्रद्धांजलि सभा में जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह, कलेक्टर तुलिका प्रजापति, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वाय.पी. सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी आईटीबीपी 44 वीं वाहिनी पानाबरस शरत कुमार त्रिपाठी, जिला पुलिस बल मोहला के अधिकारी, जवानों एवं जनप्रतिनिधियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान डीआरजी, आईटीबीपी एवं जिला पुलिस बल के अधिकारी-कर्मचारी तथा मोहला के ग्रामवासी उपस्थित रहे।

वीर सपूतों को समर्पित लेख 'कोरकोट्टी' का विमोचन एवं रक्तदान

कार्यक्रम में पत्रकार अतुल कुमार श्रीवास्तव द्वारा 12 जुलाई 2009 को घटित कोरकोट्टी नक्सल अभियान में देश सेवा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सपूतों को समर्पित लेख 'कोरकोट्टी' का विमोचन कलेक्टर तुलिका प्रजापति, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वाय.पी. सिंह एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों द्वारा किया गया। रक्षित केंद्र मोहला में रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया।

श्रीमद्भागवत कथा समाज को संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

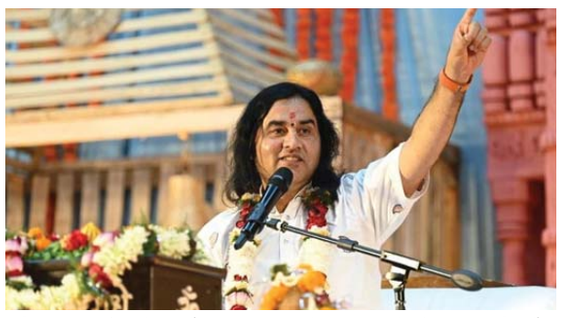

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रविवार शाम राजधानी रायपुर स्थित बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने व्यास पीठ पर विराजमान देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज द्वारा वाचन की जा रही श्रीमद्भागवत कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया तथा श्रीमद्भागवत जी का विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ आरती-वंदन किया।

मुख्यमंत्री ने व्यास पीठ पर विराजमान कथा व्यास देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए आशीर्वाद ग्रहण किया। उन्होंने श्रीमद्भागवत कथा के अंतर्गत भगवद्नाम के महत्व पर आधारित प्रसंग का एकाग्र भाव से श्रवण किया तथा कहा कि आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति के संरक्षण में ऐसी धार्मिक कथाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध प्रदेश है। यह प्रभु श्री राम का ननिहाल तथा माता कौशल्या का मायका है। भगवान श्रीराम ने अपने वनवास का अधिकांश समय छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर व्यतीत किया, जिसके कारण राज्य की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान और अधिक गौरवशाली बनती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिवरीनारायण माता शबरी की तपोभूमि है, जहां प्रभु श्रीराम और माता शबरी के दिव्य मिलन की स्मृतियां आज भी श्रद्धालुओं को भाव-विभोर करती हैं। उन्होंने कहा कि राजिम स्थित पवित्र त्रिवेणी संगम पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला राजिम कुंभ देश के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में शामिल है। इस भव्य आयोजन में देशभर से साधु-संतों, श्रद्धालुओं और धर्माचार्यों का आगमन होता है, जिससे छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक परंपरा और सांस्कृतिक वैभव को नई पहचान मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था और आध्यात्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए विभिन्न धार्मिक योजनाओं का प्रभावी संचालन कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रभु श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को अयोध्याधाम के दर्शन कराए जा रहे हैं। अब तक लगभग 50 हजार से अधिक श्रद्धालु भगवान श्रीरामलला के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त कर चुके हैं। इसी प्रकार मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के बुजुर्ग देश के विभिन्न प्रमुख तीर्थस्थलों के दर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रमुख शक्तिपीठों के संरक्षण, संवर्धन और समग्र विकास के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सामाजिक समरसता, धार्मिक स्वतंत्रता और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में धर्म स्वातंत्र्य कानून लागू किया गया है। इस कानून में देश के विभिन्न राज्यों की तुलना में अधिक कठोर प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन सख्त प्रावधानों से अवैध धर्मांतरण की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा।

श्री साय ने कहा कि गौ माता के संरक्षण और संवर्धन के लिए राज्य सरकार द्वारा गौधाम योजना लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत गौधामों में गौवंश के लिए चारा, पेयजल तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि गौ संरक्षण भारतीय संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दोनों के लिए महत्वपूर्ण है तथा राज्य सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा जैसे आध्यात्मिक आयोजन समाज में नैतिक मूल्यों, सद्भाव, सेवा, करुणा और लोककल्याण की भावना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और मंगल की कामना करते हुए सभी से भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और आध्यात्मिक मूल्यों के संरक्षण में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष राजीवलोचन महाराज, पवन साय, नंदन जैन, योगेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तजन उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री ने तहसील कार्यालय के नवनिर्मित भवन का किया लोकार्पण

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा कांकेर जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने अपने कांकेर प्रवास के दौरान सरोना में नवनिर्मित तहसील कार्यालय भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कार्यालय के विभिन्न कक्षों का अवलोकन कर परिसर में पौधारोपण भी किया। सांसद भोजराज नाग और विधायक आशाराम नेताम भी इस दौरान उपस्थित थे। लोक निर्माण विभाग द्वारा 63 लाख 81 हजार रुपए की लागत से तहसील कार्यालय के नए भवन का निर्माण किया गया है। इस सर्वसुविधायुक्त भवन में 10 कक्ष हैं जहां विभिन्न शाखाओं का संचालन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड की अध्यक्ष शालिनी राजपूत, कांकेर जिला पंचायत की उपाध्यक्ष तारा ठाकुर, नगर पालिका के अध्यक्ष अरुण कौशिक और जिला पंचायत के सी.ई.ओ. हरेश मण्डावी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी लोकार्पण कार्यक्रम में मौजूद थे।

झोपड़ी से पक्के मकान का सफर, 72 वर्षीय सोनामनी की आँखों में झलकी सुनहरे भविष्य की चमक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर जिले के जनपद पंचायत जगदलपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कुरन्दी में रहने वाली 72 वर्षीय बुजुर्ग महिला सोनामनी प्रभु के लिए जिंदगी सालों से एक दर्दनाक इम्तिहान बनी हुई थी।

एक गरीब किसान परिवार में जन्मीं और ताउम्र मजदूरी की भट्टी में जलकर अपना पेट पालने वाली इस बेबस बुजुर्ग के पास सिर छुपाने के लिए केवल एक जर्जर, छोटी सी झोपड़ी थी। जब भी आसमान में काले बादल घिरते, सोनामनी का दिल कांप उठता था, क्योंकि छत से लगातार टपकता पानी उनके आंसुओं से मिल जाता था और कच्चा फर्श कीचड़ में तब्दील होकर नीचे दलदल जैसा गीला हो जाता था। उस हाड़ कँपाने वाली ठंड और सीलन भरे माहौल में, उम्र के इस आखिरी पड़ाव पर भूख और लाचारी से जूझना एक ऐसी मर्मान्तक पीड़ा थी, जिसे सोनामनी ने सालों तक खामोशी से सहा है। लेकिन नियति के इस क्रूर चक्र के बीच, 'प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)' उनके जीवन में दुखों के पहाड़ को चीरकर उम्मीद की एक नई किरण बनकर आई और उन्हें इस अंतहीन पीड़ा से हमेशा के लिए मुक्ति मिल गई।

सोनामनी को इस जीवनदायिनी योजना की जानकारी स्थानीय ग्राम पंचायत के माध्यम से प्राप्त हुई थी। जब उन्होंने पंचायत की 02 कमरों वाली आवास सूची में अपना नाम शामिल होने की जानकारी मिली तो बरसों से कुचली हुई उनकी उम्मीदों को जैसे नए पंख मिल गए और उन्होंने बिना देर किए तुरंत अपना आवेदन जमा कर दिया, जिसके बाद उन्हें योजना के तहत कुल एक लाख 20 हजार रूपए की राशि स्वीकृत की गई। यह राशि उन्हें तीन अलग-अलग किस्तों में सुचारू रूप से प्राप्त हुई।

निर्माण कार्य को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए आवास की कुल लागत एक लाख 45 हजार रूपए आई। स्वीकृत राशि के अतिरिक्त आवश्यक 25 हजार रूपए की वित्तीय व्यवस्था करने के लिए सोनामनी ने खुद और अपने परिवार के सदस्यों के साथ आवास निर्माण में मजदूरी का कार्य किया, जिसके तहत उन्हें मनरेगा से पूरे 90 दिनों का मजदूरी भुगतान प्राप्त हुआ। इसने उनकी अतिरिक्त आर्थिक जरूरत को बेहद आत्मनिर्भर तरीके से पूरा कर दिया।

इस पूरे निर्माण कार्य की सबसे बड़ी विशेषता इसका शानदार प्रशासनिक समन्वय रहा। सामान्यत: ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण के दौरान सामग्री की उपलब्धता या तकनीकी अड़चनों का सामना करना पड़ता है, लेकिन यहाँ जनपद पंचायत स्तर पर तकनीकी सहायक, विकासखंड समन्वयक एवं ग्राम पंचायत सचिव ने लाभार्थी को पूरा सहयोग दिया।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना : दंतेवाड़ा के 84 युवाओं को एनएमडीसी में मिला इंटर्नशिप का अवसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के 84 युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास की राह आसान हो गई है। इन युवाओं को देश की प्रतिष्ठित नवरत्न कंपनी राष्ट्रीय खनिज विकास निगम में नि:शुल्क व्यावहारिक प्रशिक्षण (इंटर्नशिप) प्राप्त करने का सुनहरा अवसर मिला है। शनिवार को लाइवलीहुड कॉलेज दंतेवाड़ा में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान सभी चयनित युवाओं को उनके नियुक्ति-पत्र सौंपे गए। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन, जिला रोजगार विभाग और माई भारत संगठन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था।

विधायक ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की

कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक चैतराम अटामी ने चयनित युवाओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पहल जिले के युवाओं को मुख्यधारा के रोजगार से जोड़ने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण और प्रभावी कदम है।

480 आवेदकों में से हुआ चयन

विभागीय अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस वर्ष मई महीने में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया था। इस शिविर में जिले भर से 480 से अधिक युवाओं ने बढ़-चढ़कर आवेदन किया था। पूरी तरह से पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाने के बाद अंतिम रूप से 84 युवाओं का चयन किया गया है।

कौशल विकास के साथ मिलेगा वजीफा

इस इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान युवाओं को छडक्ब् जैसी बड़ी कंपनी में काम करने का व्यावहारिक (ऑन-फील्ड) अनुभव मिलेगा। इसके साथ ही, प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रत्येक चयनित युवा को प्रति माह 9 हजार रुपये का स्टायपंड भी दिया जाएगा। अधिकारियों का मानना है कि इस प्रशिक्षण से युवाओं के तकनीकी और व्यावसायिक कौशल में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे भविष्य में उनके लिए निजी और सरकारी दोनों ही क्षेत्रों में रोजगार के बेहतर अवसर खुलेंगे।

आगे भी जारी रहेंगे प्रयास

जिला प्रशासन ने पूरी चयन और नियुक्ति प्रक्रिया को पारदर्शी रखने की बात कही है। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि दंतेवाड़ा के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए आने वाले समय में भी रोजगारोन्मुखी शिविर, कौशल विकास प्रशिक्षण और इंटर्नशिप के ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे ताकि जिले के अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार मिल सके।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविंद कुंजाम, नगर पालिका अध्यक्ष पायल गुप्ता, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुनीता भास्कर, जिला रोजगार अधिकारी अमित वर्मा सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में युवा एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

ड्राइविंग प्रशिक्षण से बदली 31 युवाओं की राह

पुनर्वास नीति के तहत मिला कौशल, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ड्राइविंग प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर स्वरोजगार (सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट) अपनाना आत्मनिर्भर बनने का एक बेहतरीन मार्ग है। विधिवत प्रशिक्षण और वैध ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के बाद, व्यक्तिगत कैब चालक, व्यावसायिक परिवहन (ट्रांसपोर्ट/लॉजिस्टिक कंपनियों में ड्राइवर), या अपना खुद का वाहन खरीद कर स्वतंत्र रूप से टैक्सी व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।

सुकमा जिले में नक्सल पुनर्वास नीति के तहत युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिला प्रशासन की पहल सकारात्मक परिणाम दे रही है। इसी कड़ी में ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) सुकमा में आयोजित 31 दिवसीय ड्राइविंग प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा हुआ। इस प्रशिक्षण में 31 पुनर्वासित युवाओं ने भाग लेकर रोजगार की नई राह की ओर कदम बढ़ाया।

कौशल के साथ मिला आत्मविश्वास

प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक दिलीप साहू ने युवाओं को सुरक्षित और कुशल वाहन संचालन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। इसके साथ ही वाहन की सामान्य मरम्मत और रखरखाव की तकनीकी जानकारी भी दी गई, ताकि वे भविष्य में नौकरी के साथ-साथ स्वरोजगार के अवसर भी प्राप्त कर सकें।

प्रमाण-पत्र के साथ नई शुरुआत

प्रशिक्षण पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में व्याख्याता एवं प्रशिक्षण संचालक खुशाल चंद्र केशरवानी ने सभी 31 प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर आरसेटी सुकमा के अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण पूरा करने वाले युवाओं के चेहरे पर आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य की उम्मीद साफ दिखाई दी।

रोजगार और सम्मानजनक जीवन की ओर बढ़ते कदम

आरसेटी सुकमा पुनर्वासित युवाओं को गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए जिला प्रशासन निरंतर कार्य कर रहा है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि ऐसे युवाओं को रोजगार से जोड़कर उन्हें सम्मानजनक जीवन और नई पहचान मिल सके।

शांति और विकास की मजबूत पहल

जिला प्रशासन की यह पहल केवल कौशल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, पुनर्वासित युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने, आत्मनिर्भर बनाने और सुकमा में शांति, विकास एवं समावेशी प्रगति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल साबित कर रही है कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर युवा अपने जीवन की नई शुरुआत कर सकते हैं।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

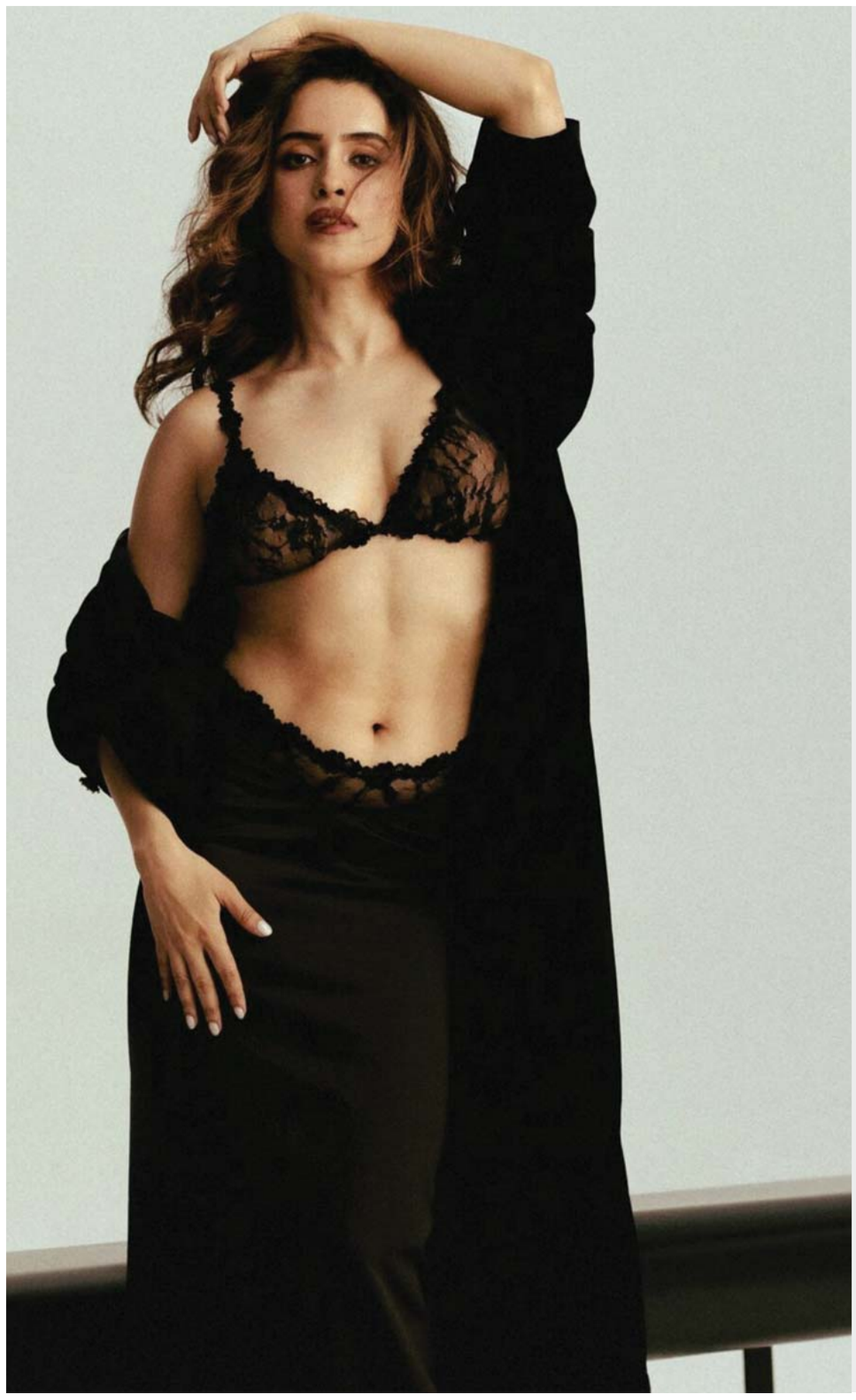

ब्लैक ब्रालेट में सान्या मल्होत्रा ने ढाया कहर बोल्ड फोटोशूट ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

बॉलीवुड की दंगल गर्ल यानी सान्या मल्होत्रा अपनी बेहतरीन अदाकारी के साथ-साथ अपने कमाल के फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। अक्सर सादगी भरे अंदाज में नजर आने वाली सान्या ने इस बार अपने इंस्टाग्राम पर एक ऐसा फोटोशूट शेयर किया है, जिसने सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है।

तस्वीरों में सान्या मल्होत्रा एक बेहद खूबसूरत ब्लैक लेसी नेट ब्रालेट पहने नजर आ रही हैं, जिसे उन्होंने लो-वेस्ट ब्लैक सिल्क लॉन्ग स्कर्ट के साथ पेयर किया है। इस बोल्ड आउटफिट के साथ उन्होंने ब्लैक श्रग भी कैरी किया है, जो उनके लुक में एक रिलैक्स और क्लासी वाइब जोड़ रहा है।

अपने इस लुक को और भी अट्रैक्टिव बनाने के लिए उन्होंने पैरों में ब्लैक कलर के थाई-हाई लेदर बूट्स पहने हैं। तस्वीरों में सान्या मल्होत्रा एक ब्लैक कलर के स्टाइलिश बेंच पर लेटकर और खड़े होकर बेहद सिजलिंग और सेक्सी पोज देती नजर आ रही हैं।

उनकी टोंड बॉडी और परफेक्ट एब्स इस लुक में साफ दिखाई दे रहे हैं। इस पूरे फोटोशूट में सान्या ने नो-ज्वैलरी लुक अपनाया है। बिना किसी हैवी एक्सेसरीज के भी उनका नेचुरल ग्लो उभर कर आ रहा है।

सान्या के फेशियल एक्सप्रेशंस बेहद इंटेंस, सिडक्टिव और कॉन्फिडेंट हैं। स्मोकी आइज और न्यूड लिपस्टिक के साथ उनका यह मेकअप लुक उनके विंटेज और बोल्ड वाइब को पूरी तरह कॉम्प्लीमेंट कर रहा है। सान्या को उनके खूबसूरत घुंघराले बालों के लिए जाना जाता है। इस फोटोशूट में भी उन्होंने अपने बालों के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की।

सान्या मल्होत्रा के इस बोल्ड फोटोशूट पर फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं। फैंस सान्या की तस्वीरों पर लगातार फायर और रेड हार्ट इमोजी पोस्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, पहचानना मुश्किल हो रहा है, सान्या का यह अब तक का सबसे हॉट अवतार है!

शिवांगी जोशी ने पढ़ी थी कुशल टंडन संग उनकी चैट, लॉक अप 2 में श्रेया कालरा ने किया खुलासा

रियलिटी शो लॉक अप सीजन 2 की कंटेस्टेंट श्रेया कालरा ने हाल ही में एक एपिसोड में दावा किया कि एक्ट्रेस और साथी कंटेस्टेंट शिवांगी जोशी ने एक बार उनकी और एक्टर कुशल टंडन की पूरी चैट पढ़ी थी। यह तब हुआ जब कुशल ने उन्हें मैसेज किया था, जबकि वे कथित तौर पर शिवांगी को डेट कर रहे थे। लॉक अप 2 के हालिया एपिसोड में, श्रेया ने साथी कंटेस्टेंट और एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे से बात करते हुए यह बात बताई। उस घटना को याद करते हुए श्रेया ने कहा कि वह शिवांगी के एक टीवी शो के लिए प्रमोशनल वीडियो की शूटिंग कर रही थीं, तभी कुशल ने सोशल मीडिया पर उनसे संपर्क किया।

श्रेया ने कहा, शूट के बाद उन्होंने मुझे मैसेज किया। उस समय मैं किसी को डेट कर रही थी। उस समय कुशल टंडन और शिवांगी जोशी के बीच कुछ चल रहा था। मुझे इसके बारे में पता नहीं था।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कुशल उन्हें मैसेज करते रहे, लेकिन वह एक कमिटेड रिलेशनशिप में थीं और उन्होंने बातचीत को आगे न बढ़ाने का फैसला किया क्योंकि उन्हें लगा कि बातचीत में कुछ गड़बड़ है।

उन्होंने आगे दावा किया, उन्होंने मुझसे बात करना शुरू किया। मुझे कुछ शक हुआ और मैंने बात रोक दी। फिर, शिवांगी और मैं सेट पर मिले और उन्होंने कहा, ओह हाय! हां! उन्होंने मुझे तुम्हारे बारे में बताया था कि तुमने उन्हें फॉलो किया और मैसेज किया। मैंने कहा, एक्सक्यूज मी! मैं किसी आदमी से संपर्क करने वाली पहली इंसान नहीं होऊंगी। मैंने अपनी पूरी जिंदगी में ऐसा कभी नहीं किया है।

श्रेया ने कहा कि उन्होंने तुरंत शिवांगी को अपना फोन दे दिया ताकि कोई गलतफहमी हो तो वह दूर हो जाए।

उन्होंने कहा, मैंने उन्हें अपना फोन दे दिया। उन्होंने मेरी पूरी चैट पढ़ी। मैंने कोई फ्लर्ट नहीं किया और न ही कुछ कहा।

बातचीत में आगे शिल्पा शिंदे ने पूछा कि क्या मैसेज पढ़ने के बाद शिवांगी रोई थीं।

श्रेया ने जवाब दिया, शूट के बाद सेट पर वह रोई थीं। 3-5 महीने बाद, उस लड़के ने एक स्टोरी पोस्ट करके बताया कि उनका ब्रेकअप हो गया है।

श्रेया ने आगे दावा किया कि बाद में लॉक अप 2 में साथ रहने के दौरान उन्होंने शिवांगी के पुराने रिश्ते का जिक्र किया ताकि यह समझ सकें कि कपल के बीच क्या गलत हुआ था। हालांकि, उनके अनुसार, शिवांगी ने इस मामले पर चर्चा न करने का फैसला किया और बातचीत का रुख मोड़ दिया।

जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि टीवी शो बरसातें ङ्क मौसम प्यार का में साथ काम करते हुए कुशल टंडन और शिवांगी जोशी के बीच डेटिंग शुरू होने की खबरें आई थीं।

दोनों में से किसी ने भी कभी अपने रिश्ते की सार्वजनिक रूप से पुष्टि नहीं की, लेकिन खबरों के अनुसार दोनों एक-दूसरे के प्यार में पूरी तरह डूबे हुए थे।

फिलहाल, कुशल अलायंस हाउस में एक कंटेस्टेंट हैं, जबकि शिवांगी लॉक अप 2 में हिस्सा ले रही हैं।

बॉक्स ऑफिस पर तेलुगु फिल्म लेनिन ने गाड़े झंडे मां इंति बंगारम समेत 13 फिल्मों के तोड़े रिकॉर्ड्स

धमाल 4 और वेलकम टू द जंगल के इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में तेलुगु की एक्शन ड्रामा फिल्म लेनिन बॉक्स ऑफिस पर मोटी कमाई कर रही है। फिल्म को हिंदी में नहीं रिलीज किया गया है फिर भी इसने बेहतरीन कमाई की और ओपनिंग डे पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। ऐसे में चलिए बताते हैं कि फिल्म ने कितनी कमाई कर ली है और किन 13 फिल्मों के रिकॉर्ड्स को भी तोड़ दिया है।

अखिल अक्किनेनी की तेलुगु एक्शन फिल्म लेनिन ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की, जिसके साथ ही इसने कमाई के मामले में तेलुगु की 2026 की 13 फिल्मों के ओपनिंग डे कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने बिना हिंदी में रिलीज हुए पहले दिन 5.90 करोड़ का बिजनेस किया, जिस पर 50% ऑक्यूपेंसी भी दर्ज की गई है।

वहीं, ऑफिशियल आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर वर्ल्डवाइड भी कमाल का प्रदर्शन किया है। अखिल की फिल्म ने ओपनिंग डे पर दुनियाभर में 16.7 करोड़ का बिजनेस किया है।

इसके साथ ही तेलुगु फिल्म लेनिन ने बॉक्स ऑफिस पर 2026 की 13 फिल्मों के ओपनिंग डे कलेक्शन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

यही नहीं, लेनिन ने बॉक्स ऑफिस पर एक और कमाल दिखाया और ये 2026 की तेलुगु की 6वीं बिगेस्ट ओपनर फिल्म बन चुकी है।

बहरहाल, अगर फिल्म लेनिन के बारे में बात की जाए तो ये तेलुगु की एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का निर्देशन मुरली किशोर अब्बुरु ने किया है। इसमें प्यार, विश्वासघात और बदले की कहानी को दिखाया गया है। फिल्म की कहानी आंध्र प्रदेश की पृष्ठभूमि पर बुनी गई है. अखिल के साथ फिल्म में एक्ट्रेस भाग्यश्री बोरसे लीड रोल में हैं।

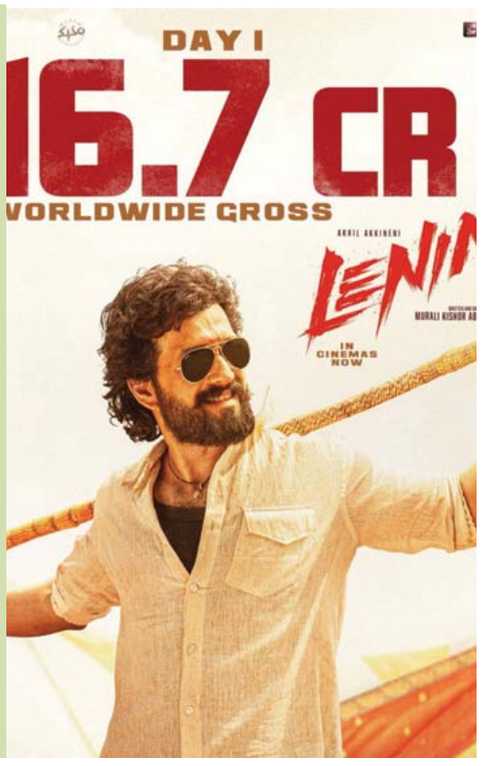

दूध से ज्यादा कैल्शियम से भरपूर है ये 5 भारतीय खाद्य पदार्थ, डाइट में करें शामिल

दूध को कैल्शियम का एक अच्छा स्रोत माना जाता है, जो हड्डियों को मजबूती देने और सेहत के लिए फायदेमंद होता है। हालांकि, कुछ भारतीय खाद्य पदार्थ ऐसे हैं, जो दूध से भी अधिक कैल्शियम से भरपूर होते हैं। इन खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल कर आप हड्डियों को मजबूत करने के साथ-साथ अन्य स्वास्थ्य लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। आइए ऐसे 5 खाद्य पदार्थों के बारे में जानते हैं।

बादाम

100 ग्राम बादाम में लगभग 264 मिलीग्राम कैल्शियम मौजूद होता है, जो दूध से भी ज्यादा फायदेमंद होता है। इसके अलावा बादाम में फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, पोटेशियम, और प्रोटीन भी अच्छी मात्रा में होते हैं। यह न केवल हड्डियों को मजबूत करता है, बल्कि दिल को स्वस्थ रखने, ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और त्वचा को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है। इसे आप भिगाकर भी खा सकते हैं।

तिल

तिल के बीज भी कैल्शियम से भरपूर होते हैं, जिन्हें आपको अपने खान-पान का हिस्सा जरूर बनाना चाहिए। 100 ग्राम तिल में लगभग 1,573 मिलीग्राम कैल्शियम होता है, जो आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा इसमें फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, और प्रोटीन भी होते हैं। तिल का सेवन हड्डियों को मजबूत करने के साथ-साथ दिल की सेहत को बेहतर बनाने और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में सहायक होता है।

काजू

100 ग्राम काजू में लगभग 38 मिलीग्राम कैल्शियम होता है, जिसे दूध के साथ मिलाकर खाने पर आपको काफी ज्यादा मात्रा में यह पोषक तत्व मिल सकता है। काजू में फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, और प्रोटीन भी होते हैं। यह दिल को स्वस्थ रखने, ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करता है। इसके अलावा काजू में सूजन को कम करने वाले गुण भी होते हैं।

खजूर

100 ग्राम खजूर में लगभग 64 मिलीग्राम कैल्शियम होता है, जिसे खाने से आपको एक नहीं कई फायदे मिल सकते हैं। खजूर में फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, और प्रोटीन भी होते हैं। यह दिल को स्वस्थ रखने, ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करता है। खजूर का सेवन सूजन को कम करने वाले गुणों से भरपूर होता है। इसे आप रोजाना सुबह उठकर डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

मेथी के बीज

100 ग्राम मेथी के बीज में लगभग 66 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। इसमें फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, और प्रोटीन भी होते हैं। यह हड्डियों को मजबूत करने, दिल को स्वस्थ रखने और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में सहायक होता है। इसके अलावा मेथी के बीज सूजन को कम करने वाले गुणों से भी भरपूर होते हैं। इसे पानी में उबालकर पीने से या इससे लड्डू जैसे व्यंजन बनाने से आपको कई फायदे मिल सकते हैं।

प्रेग्नेंसी के आखिरी वक्त में दीपिका पादुकोण ने बयां किया दर्द, दूसरे बच्चे के आने से पहले शेयर किया खास अपडेट

प्रेग्नेंसी के आखिरी दौर में दीपिका पादुकोण ने अपने दर्द और चुनौतियों को बयां किया है। सोशल मीडिया पर एक ऐसा अपडेट शेयर किया है, जिसने उनके फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी को लेकर सुर्खियों में हैं। वो पति रणवीर सिंह के साथ अपने दूसरे बच्चे के वेलकम की तैयारियों में जुटी हैं। इसी बीच दीपिका ने सोशल मीडिया पर एक ऐसा अपडेट शेयर किया है, जिसने उनके फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी के आखिरी चरण यानी तीसरी तिमाही में होने वाली शारीरिक परेशानियों का जिक्र किया और बताया कि ये समय जितना खास होता है, उतना ही चैलेंजिंग भी है।

दीपिका पादुकोण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक मजेदार लेकिन इमोशनल रील शेयर की। इस वीडियो के जरिए उन्होंने बिना ज्यादा शब्दों के ये दिखाने की कोशिश की कि प्रेग्नेंसी के अंतिम महीनों में रोजमर्रा के छोटे-छोटे काम भी कितने मुश्किल और दर्द हो जाते हैं। उनके इस पोस्ट से कई होने वाली मांओं ने खुद को जुड़ा हुआ महसूस किया और कमेंट सेक्शन में अपने अनुभव भी शेयर किए।

बता दें, पिछले कुछ महीनों से दीपिका पब्लिक इवेंट्स और लाइमलाइट से काफी दूर हैं। वो अपना अधिकतर समय परिवार के साथ बिता रही हैं और अपनी सेहत का खास ध्यान रख रही हैं। हालांकि, उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों को पूरी तरह नहीं छोड़ा है, लेकिन प्रेग्नेंसी के दौरान भी उन्होंने अपने तय प्रोजेक्ट्स पूरे करने की कोशिश की।

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने अप्रैल में सोशल मीडिया के जरिए दूसरी प्रेग्नेंसी की खुशखबरी शेयर की थी। इस घोषणा के बाद फैंस और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई स्टार्स ने दोनों को शुभकामनाएं दी थीं। इससे पहले सितंबर 2024 में दोनों अपनी पहली बेटी दुआ के माता-पिता बने थे।

वर्क फ्रंट की बात करें तो दीपिका हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में अपनी अपनी फिल्म 'किंग' की शूटिंग पूरी कर भारत लौटी हैं। इस फिल्म में वो शाहरुख खान, सुहाना खान और अभिषेक बच्चन के साथ अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। इसके अलावा वो संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' में और अल्लू अर्जुन की पैन-इंडिया फिल्म 'राका' का भी हिस्सा हैं। फिलहाल फैंस दीपिका और रणवीर के दूसरे बच्चे के वेलकम का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

खास खबर

विकासखंड ओड़गी में 16 से 18 जुलाई तक चलेगा तीन दिवसीय आयुष्मान

सूरजपुर। कलेक्टर रेना जमील निर्देश के अनुपालन में विकासखंड ओड़गी में तीन दिवसीय आयुष्मान महाअभियान का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान 16 जुलाई से 18 जुलाई तक संचालित होगा, जिसका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के छूटे हुए पात्र हितग्राहियों तक स्वास्थ्य सुरक्षा योजना का लाभ पहुँचाना है। अभियान के अंतर्गत विकासखंड ओड़गी के लगभग 7000 छूटे हुए हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के लगभग 550 वरिष्ठ नागरिकों के वय वंदना कार्ड बनाए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है । इन कार्डों का निर्माण डोर टू डोर सर्वेक्षण एवं विभिन्न स्थानों पर आयोजित शिविरों के माध्यम से किया जाएगा, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रह सके। महाअभियान को सफल बनाने हेतु खंड शिक्षा अधिकारी एवं परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास तथा मितानिन कार्यक्रम के समन्वय से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है और लोगों से अधिकाधिक कार्ड बनवाने की अपील की गई है। कार्ड निर्माण की जिम्मेदारी च्वाइस सेंटर संचालकों एवं स्वास्थ्य विभाग के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ), आरएचओ, एएनएम, आयुष्मान ऑपरेटर तथा जूनियर सेक्रेटेरियल असिस्टेंट को सौंपी गई है।

नवपदस्थ कलेक्टर विजय दयाराम के ने संभाला कार्यभार

जीपीएम। जिले के नवपदस्थ कलेक्टर विजय दयाराम के ने आज अपना कार्यभार ग्रहण किया। भारतीय प्रशासनिक सेवा वर्ष 2015 बैच के अधिकारी श्री विजय दयाराम के ने जनसेवा को सर्वोपरि मानते हुए रविवार के शासकीय अवकाश के दिन ही पदभार संभालकर अपने दायित्वों का निर्वहन प्रारंभ किया। कलेक्ट्रेट पहुंचने पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश रावटे सहित जिला अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर रावटे ने जिले की विशिष्ट पहचान एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा उत्पादित प्रसिद्ध विष्णुभोग चावल का पैकेट भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर दिलेराम डाहिरे, एसडीएम पेंड्रारोड अमित बेग, जिला कोषालय अधिकारी धर्मेंद्र सोनी सहित अन्य अधिकारियों ने भी पुष्पगुच्छ भेंट कर नवपदस्थ कलेक्टर का स्वागत किया तथा उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

जिला स्तरीय शालेय कराते प्रतियोगिता संपन्न

जीपीएम। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित जिला स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026-27 के अंतर्गत जिला स्तरीय शालेय कराते प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को कबड्डी प्रशिक्षण केंद्र पेंड्रा में किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला खेल अधिकारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 आयु वर्ग के कुल 29 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा एवं कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का विकास करना तथा प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें आगामी स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में व्यायाम शिक्षकों, तकनीकी अधिकारियों, निर्णायकों एवं प्रशिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला खेल अधिकारी ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों, व्यायाम शिक्षकों, ऑफिशियल्स एवं कोचों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रतियोगिता की सफलता पर सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

किसानों की वर्षों पुरानी मांग पूरी : भोरमदेव शक्कर कारखाना में 4691 किसानों को मिला अंशधारी सदस्यता का अधिकार

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किसानों को वितरित किए शेयर प्रमाण पत्र, बोले- अंशधारी सदस्यता से किसानों की भागीदारी होगी और मजबूत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना से जुड़े 4 हजार 691 गन्ना उत्पादक किसानों के लिए रविवार ऐतिहासिक दिन बन गया। वर्षों से अंशधारी सदस्य बनने की प्रतीक्षा कर रहे इन किसानों को नवीन अंशधारी सदस्य बनाते हुए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने शेयर प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कवर्धा के पीजी कॉलेज डोम में आयोजित कृषक संगोष्ठी एवं प्रमाण पत्र वितरण समारोह में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किसानों को प्रमाण पत्र सौंपते हुए कहा कि यह पहल किसानों को सहकारिता की मजबूत भागीदारी से जोड़ते हुए उनकी आय बढ़ाने और क्षेत्र में गन्ना उत्पादन को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि भोरमदेव शक्कर कारखाना में गन्ना बेचने वाले ऐसे 4 हजार 691 किसानों को आज शेयर प्रमाण पत्र दिए गए, जो अब तक अंशधारी सदस्य नहीं थे। उन्होंने कहा कि इन किसानों ने बिना

शेयरधारक बने भी फैक्ट्री को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसी योगदान को सम्मान देते हुए उन्हें आज कारखाना का अंशधारी सदस्य बनाया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले पेराई सत्र में फैक्ट्री में 2 लाख 55 हजार 818 मीट्रिक टन गन्ने की पेराई हुई थी। वर्तमान में फैक्ट्री के लगभग 23 हजार शेयरधारक हैं। वहीं, 4,691 गैर-अंशधारी किसानों ने भी गन्ना विक्रय किया था। इन्हीं किसानों को अब शेयर प्रमाण पत्र देकर कारखाना की सदस्यता प्रदान की गई है।

गन्ना बोनस बढ़ाने के लिए भी सकारात्मक प्रयास

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फैक्ट्री किसानों की अपनी फैक्ट्री है और इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी किसानों की है। उन्होंने कहा कि यदि किसान संकल्प लेकर इस वर्ष साढ़े चार लाख मीट्रिक टन गन्ने की आपूर्ति करेंगे, तो फैक्ट्री और मजबूत होगी। इससे किसानों को एफआरपी का समय पर भुगतान, बेहतर रिकवरी और भविष्य में अधिक लाभांश मिलने की संभावना भी बढ़ेगी।

किसानों से प्राकृतिक एवं जैविक खेती की ओर बढ़ने का आह्वान

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती के तीन प्रमुख स्वरूप रासायनिक, जैविक और प्राकृतिक खेती हैं। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती में रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता नहीं होती और छत्तीसगढ़ के कई क्षेत्रों में इसके सफल प्रयोग हो रहे हैं। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक एवं जैविक खेती की ओर बढ़ने का आह्वान किया ताकि उनके उत्पाद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच सकें। जैविक उत्पादों के निर्यात के लिए आवश्यक एनपीओपी प्रमाणन की जानकारी किसानों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 17, 18 और 19 जुलाई को कवर्धा विधायक कार्यालय में विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा। उन्होंने किसानों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि कबीरधाम के कृषि उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान दिलाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा।

पेराई सत्र 2025-26 में गैर-अंशधारी किसानों को नवीन अंशधारी सदस्य बनाने का निर्णय

क्षेत्र के गन्ना उत्पादक किसानों द्वारा लंबे समय से नए अंशधारी सदस्य बनाए जाने की मांग की जा रही थी। इस मांग को ध्यान में रखते हुए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कारखाना प्रबंधन को योजना तैयार करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद जिला प्रशासन, कारखाना प्रबंधन, क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों तथा जिले के दोनों किसान संघों के प्रतिनिधियों ने मिलकर कार्ययोजना तैयार की। इसी योजना के तहत पेराई सत्र 2025-26 में गैर-अंशधारी किसानों से भी गन्ने की खरीदी की गई और उन्हें नवीन अंशधारी सदस्य बनाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ कृषक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी सहित कारखाने के प्रबंध संचालक जी.एस. शर्मा, महाप्रबंधक अंकित मरकाम, किसान संघों के प्रतिनिधिगण, कारखाना के अंशधारी सदस्य, कृषक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अंशधारी सदस्यों को मिलेगा अन्य सुविधाओं का लाभ

उप मुख्यमंत्री ने किसानों से अधिक से अधिक गन्ना उत्पादन करने, नए किसानों को अनुबंध के लिए प्रेरित करने और फैक्ट्री को मजबूत बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नवीन अंशधारी सदस्य बनने से किसानों को अब भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना में नियमित रूप से गन्ना विक्रय करने के साथ-साथ अंशधारी सदस्यों को मिलने वाली अन्य सुविधाओं का भी लाभ मिल सकेगा। वहीं, कारखाना को भी गन्ना पेराई के लक्ष्य की पूर्ति के लिए पर्याप्त गन्ना उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी, जिससे भविष्य में उत्पादन क्षमता और संचालन को और मजबूती मिलेगी।

छत्तीसगढ़ में जनजातीय विकास को मिल रही गति : मुख्यमंत्री साय

■ भारतीय आदिम जाति सेवक संघ के छत्तीसगढ़ राज्य बोर्ड के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रविवार को राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास के जनदर्शन हॉल में आयोजित भारतीय आदिम जाति सेवक संघ के छत्तीसगढ़ राज्य बोर्ड के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और छत्तीसगढ़ में जनजातीय विकास को अभूतपूर्व गति मिली है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संघ का नवगठित राज्य बोर्ड आदिवासी समाज के उत्थान, उनके अधिकारों की रक्षा तथा सामाजिक विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।कार्यक्रम में भारतीय आदिम जाति सेवक संघ के अध्यक्ष श्री

प्रकाश कुमार उइके, श्रीमती कौशल्या साय, श्री राजेश मालवीय, श्री कुंवर जितेंद्र नरसिंह राणा सहित संघ के सदस्यगण एवं विभिन्न राज्यों से आए पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ जनजातीय बहुल राज्य है, जहां विशेष पिछड़ी जनजातियों सहित अनेक जनजातीय समुदाय अपनी समृद्ध परंपराओं, संस्कृति और जीवन मूल्यों के साथ निवास करते हैं। ऐसे राज्य में भारतीय आदिम जाति सेवक संघ के छत्तीसगढ़ राज्य बोर्ड का गठन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि संघ का इतिहास गौरवपूर्ण रहा है और यह संस्था लंबे समय से देशभर में आदिवासी समाज के कल्याण एवं उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय आदिम जाति सेवक संघ की ऐतिहासिक भूमिका का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद इसके प्रथम अध्यक्ष रहे, जबकि पूर्व प्रधानमंत्री श्री मोरारजी देसाई ने भी इस प्रतिष्ठित संस्था का नेतृत्व किया। उन्होंने नवनियुक्त राज्य बोर्ड के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए देश के विभिन्न राज्यों से आए संघ के पदाधिकारियों का छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर आत्मीय स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है। आज बस्तर क्षेत्र विकास के नए युग में प्रवेश कर चुका है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, विद्युत, संचार और अन्य मूलभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। पर्यटन के क्षेत्र में भी बस्तर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। यहां की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य और परंपराओं को जानने-समझने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं तथा स्थानीय होमस्टे में ठहरकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत चार दशकों में बस्तर के अनेक क्षेत्र विकास की मुख्यधारा से वंचित रहे और लगभग 400 गांवों का विधिवत सर्वेक्षण तक नहीं हो पाया था। वर्तमान सरकार ने इन गांवों का सर्वे कर विकास कार्यों को गति दी है।

मातृभाषा आधारित शिक्षा को बढ़ावा

जशपुर में नींव कार्यक्रम से सादरी भाषा में होगी बुनियादी पढ़ाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप मातृभाषा आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में जशपुर जिले में नींव बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्राथमिक शिक्षा को अधिक प्रभावी, समावेशी और बाल-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से शुरू किए जा रहे इस कार्यक्रम का संचालन राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के नेतृत्व में, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, जशपुर के मार्गदर्शन तथा लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से किया जाएगा।

कार्यक्रम के अंतर्गत जशपुर जिले के कुनकुरी और बगीचा विकासखंड के 202 प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 1 एवं 2 के विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा सादरी के माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। इसका उद्देश्य बच्चों की घर की भाषा और विद्यालय की भाषा के बीच सहज सेतु तैयार करना है, जिससे वे विषय-वस्तु को बेहतर ढंग से समझ सकें और सीखने के प्रति उनका आत्मविश्वास बढ़े।

कार्यक्रम को स्थानीय परिवेश से जोड़ने के लिए डीपीईटी जशपुर के मार्गदर्शन में शिक्षकों द्वारा विशेष रूप से सादरी भाषा में शिक्षण सामग्री विकसित की गई है। इन सामग्रियों में स्थानीय संस्कृति, लोककथाओं, परिवेश और जीवन अनुभवों को समाहित किया गया है। बिग बुक, चित्र चार्ट, कविता पोस्टर, अभ्यास पुस्तिकाएं तथा कविता-कहानी संग्रह जैसी सामग्री तैयार की गई है। इन सभी शैक्षणिक संसाधनों की अंतिम अकादमिक समीक्षा कम्प्ज् के विशेषज्ञों द्वारा 7 जुलाई 2026 को पूर्ण की जा चुकी है।

बदली तहारूराम की तकदीर : 4 लाख के अनुदान से मिला ट्रैक्टर

■ कृषि यंत्रीकरण योजना से आधुनिक खेती की ओर बढ़े किसान के कदम

सारंगढ़-बिलाईगढ़। आधुनिक दौर में खेती-किसानी को उन्नत और मुनाफे का सौदा बनाने में कृषि यंत्रों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो चुकी है। राज्य शासन की कृषि यंत्रीकरण योजना आज छोटे और मझोले किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। इसका एक जीवंत उदाहरण विकासखण्ड बिलाईगढ़ के ग्राम गधाभाटा में देखने को मिला है, जहाँ के प्रगतिशील कृषक तिहारूराम चंद्रा पिता जगनथिया का खुद का ट्रैक्टर खरीदने का सपना साकार हुआ है।

ग्राम झुमका में आयोजित भव्य सुशासन शिविर में प्रभारी मंत्री श्री टंकराम वर्मा के करकमलों से तिहारूराम को उनके नए ट्रैक्टर की चाबी सौंपी गई। ट्रैक्टर का 9.40 लाख रूपए की कुल लागत पर तिहारूराम को राज्य शासन की ओर से 4 लाख रूपए का भारी शासकीय अनुदान प्राप्त हुआ है। इस पर तिहारूराम ने कहा कि कम जमीन और सीमित साधनों के कारण पहले समय पर खेती का काम पूरा करना एक

बड़ी चुनौती थी। भारी-भरकम किराए पर ट्रैक्टर लेना पड़ता था। लेकिन सरकार की इस योजना और 4 लाख रुपए की बड़ी छूट ने मेरी राह आसान कर दी। अब मैं न सिर्फ समय पर अपनी खेती कर सकूंगा, बल्कि खेती को अधिक आधुनिक और लाभकारी भी बना पाऊंगा।

सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित इन शिविरों में कृषि विभाग द्वारा श्वन स्टॉप सेंटरश् के रूप में स्टाल लगाए गए थे। यहाँ आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के साथ-साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाया गया। शिविर के दौरान विभाग को कुल 575 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें 545 मांग संबंधी और 30 शिकायत संबंधी मामले थे। विभाग ने संवेदनशीलता और मुस्तैदी दिखाते हुए रिकॉर्ड समय में 572 आवेदनों (544 मांग व 28 शिकायत) का सफलतापूर्वक निराकरण कर सुशासन की मिसाल पेश की।

ट्रैक्टर वितरण के साथ ही विभाग द्वारा शिविर में उपस्थित किसानों को उन्नत एवं वैज्ञानिक खेती से जोड़ने के लिए नीम आधारित कीटनाशक, हरित खाद, प्रमाणित बीज और विभिन्न लघु कृषि यंत्रों का वितरण भी किया गया। उप संचालक कृषि, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों और ग्रामीण कृषि विकास अधिकारियों की टीम ने किसानों को चौपाल लगाकर केंद्र व राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। इनमें मुख्य रूप से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना,सॉइल हेल्थ कार्ड योजना और एग्री स्टैक पंजीयन,प्राकृतिक व जैविक खेती मिशन तथा परंपरागत कृषि विकास योजना,दलहन-तिलहन प्रोत्साहन कार्यक्रम और हरित खाद का उपयोग शामिल है।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

मोर गांव मोर पानी अभियान की बड़ी सफलता

एमसीबी का ग्राम बरदर बना प्रकृति संरक्षण का रोल मॉडल, 52 एकड़ में जल संवर्धन और फलोद्यान से बदलेगी ग्रामीण तस्वीर

एमसीबी। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के खड़गवां विकासखंड अंतर्गत ग्राम बरदर प्रकृति संरक्षण, जल संवर्धन और ग्रामीण आजीविका का एक उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी मॉडल बनकर उभर रहा है। राज्य शासन के महत्वाकांक्षी मोर गांव मोर पानी महा अभियान के तहत यहां 52 एकड़ क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण, जल सुरक्षा और आजीविका संवर्धन को एक साथ जोड़ते हुए ऐसा समग्र विकास मॉडल तैयार किया जा रहा है, जो आने वाले समय में जिले ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के लिए अनुकरणीय उदाहरण बनेगा।

इस पहल के अंतर्गत 30 एकड़ क्षेत्र में विभिन्न वैज्ञानिक जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन संरचनाओं का निर्माण किया गया

है, जिससे प्रत्येक वर्ष करोड़ों लीटर वर्षा जल का संचयन और भूजल स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित होगी। वहीं शेष 22 एकड़ क्षेत्र में दो हजार से अधिक उन्नत फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण कर फलोद्यान विकसित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलने के साथ दर्जनों महिला स्व-सहायता समूहों को स्थायी रोजगार एवं नियमित आय का अवसर प्राप्त होगा।

ग्राम बरदर में जल संरक्षण को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विकसित किया गया है। सात एकड़ क्षेत्र में 30म40 मॉडल के तहत 240 संरचनाओं का निर्माण किया गया है, जिनके माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 40 लाख लीटर वर्षा जल का संग्रहण एवं भूजल रिचार्ज संभव होगा। इसके साथ ही 1800 मीटर लंबाई में जल अवशोषण ट्रेंच एवं सीपीटी संरचनाओं का निर्माण किया गया है।

पांच एकड़ क्षेत्र में 5000 कंटूर ट्रेंच तैयार किए गए हैं, जिनकी क्षमता लगभग 70 लाख लीटर वर्षा जल के संरक्षण एवं भूजल पुनर्भरण की है। इन संरचनाओं के माध्यम से वर्षा जल का बहाव नियंत्रित होगा, मिट्टी का कटाव रुकेगा, भूजल स्तर में सुधार होगा तथा भविष्य में सिंचाई एवं पेयजल की उपलब्धता भी बेहतर होगी। गांव में जल संरक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए लगभग पांच लाख रुपये की लागत से 40 बोल्डर चेक डेम बनाए गए हैं। इसके अलावा 1.80 लाख रुपये की लागत से दो गेबियन संरचनाओं का निर्माण किया गया है, जो बरसाती जलधाराओं को नियंत्रित कर जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

आदिवासी छात्रा आत्महत्या मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार, दो की तलाश जारी

बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में 17 वर्षीय आदिवासी छात्रा को कथित रूप से प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए मजबूर करने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले के मुख्य आरोपी विनोद वैद को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दो अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, बैकुंठपुर पुलिस लाइन निवासी प्रधान आरक्षक शिवनाथ सिंह पैकरा की पुत्री रितु सिंह ने बीते बुधवार को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। आरोप है कि प्रतिष्ठान के प्रबंधन ने छात्रा को डराकर एक कागज पर चोरी स्वीकार करने जैसा बयान लिखवाया। इसके बाद कथित तौर पर छात्रा और उसके परिवार से पहले 15 हजार, फिर 20 हजार और बाद में 50 हजार रुपये की मांग की गई। आरोप है कि रकम नहीं देने पर छात्रा की स्कूटी भी अपने कब्जे में ले ली गई।परिजनों के अनुसार, सार्वजनिक रूप से कथित अपमान और मानसिक प्रताड़ना से आहत होकर छात्रा तनाव में आ गई और बाद में उसने आत्महत्या कर ली। मामले में पुलिस अधीक्षक ने फरार आरोपियों जगत वैद, विनोद वैद और दीपक वैद पर 5-5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने राजस्थान में कार्रवाई कर विनोद वैद को गिरफ्तार कर लिया। शेष दो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

खूंटाघाट बांध के चौकीदार की पीट-पीटकर हत्या

बिलासपुर। रतनपुर थाना क्षेत्र के खूंटाघाट बांध में चौकीदारी करने वाले एक युवक की कथित तौर पर पुरानी रंजिश के चलते पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मेलनाडीह निवासी श्याम सिंह पोर्ते (40) ने 12 जुलाई को थाना रतनपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह और तीरथ राम यादव खूंटाघाट बांध में चौकीदार के रूप में कार्यरत हैं। शिकायत के मुताबिक, गोलू धीवर और अनिश धीवर पूर्व में बांध से लगातार मछली चोरी करते थे। चोरी का विरोध करने और वीडियो बनाने पर उन्होंने तीरथ राम यादव का मोबाइल फोन तोड़ दिया था। जिसके बाद से वे तीरथ राम यादव से रंजिश रखते थे। 11 जुलाई की रात श्याम सिंह पोर्ते और तीरथ राम यादव मेलनाडीह से खूंटाघाट बांध स्थित नवागांव कैंप जा रहे थे। नवागांव महुआ डबरी तालाब के पास स्कॉर्पियो वाहन में सवार गोलू धीवर, अनिश धीवर और उनके अन्य साथियों ने कथित रूप से उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर गिर गए। अनिश ने श्याम सिंह पोर्ते को पकड़ लिया, जबकि गोलू धीवर ने डंडे से दोनों पर हमला कर दिया। हमले में तीरथ राम यादव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि श्याम सिंह किसी तरह आरोपियों के चंगुल से बचकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। प्रार्थी की शिकायत पर थाना रतनपुर में अपराध क्रमांक 485/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1), 3 एवं 5 के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

गर्लफ्रेंड की हत्या कर भिलाई के इंजीनियर ने किया सुसाइड

रेलवे ट्रैक पर 2 टुकड़ों में मिला शव; पिता बोले- बेटा हत्यारा नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के भिलाई के रहने वाले 25 साल के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंजीनियर श्रेष्ठ मलिक की हरियाणा के गुरुग्राम में ट्रेन से कटकर मौत हो गई। उसका शव रेलवे ट्रैक पर दो हिस्सों में मिला। गुरुग्राम पुलिस को शक है कि श्रेष्ठ ने पहले अपनी गर्लफ्रेंड इशाका की चाकू मारकर हत्या की। इसके बाद ट्रेन के आगे कूदकर सुसाइड कर लिया।

श्रेष्ठ मलिक भिलाई के जामुल थाना क्षेत्र का रहने वाला था। वह गुरुग्राम के सेक्टर-59 स्थित Optum Global Solutions में AI इंजीनियर था। उसी कंपनी में उत्तर प्रदेश के सीतापुर की रहने वाली इशाका भी काम करती थी। पुलिस के मुताबिक, दोनों एक-दूसरे को जानते थे और तीन दिन पहले ही इशाका श्रेष्ठ के कमरे में रहने के लिए शिफ्ट हुई थी।

सेक्टर-56 थाना पुलिस के मुताबिक, रविवार 12 जुलाई को उत्तर प्रदेश के सीतापुर में रहने वाले इशाका के परिवार ने पुलिस से संपर्क किया। परिवार ने बताया कि, इशाका लगातार फोन रिसीव नहीं कर रही है। कई बार कॉल करने के बाद भी उससे कोई बात नहीं हो पाई।

परिवार से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस गुरुग्राम के सेक्टर-55 स्थित उसके बताए पते पर पहुंची। पुलिस ने आसपास रहने वाले लोगों से पूछताछ की, लेकिन किसी ने घटना के बारे में जानकारी होने से इनकार कर दिया।

कमरे में खून से लथपथ मिली युवती की लाश

पुलिस के मुताबिक, कमरे का दरवाजा बंद था। पुलिस किसी तरह दरवाजा खोलकर अंदर पहुंची। कमरे के अंदर इशाका का शव पड़ा था। फर्श पर काफी खून फैला हुआ था। शुरुआती जांच में सामने आया कि उसकी चाकू से कई वार कर हत्या की गई थी।

पुलिस का कहना है कि शव करीब एक दिन पुराना लग रहा था। इसके बाद फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया। टीम ने कमरे से सबूत जुटाए। पुलिस ने इशाका के परिवार को भी घटना की जानकारी दी।

पुलिस ने इशाका के बारे में जानकारी जुटाई तो पता चला कि, उसके साथ भिलाई निवासी श्रेष्ठ मलिक भी कमरे में रहता था। पुलिस ने उसके बारे में जानकारी जुटानी शुरू की। इसी दौरान पता चला कि, 11 जुलाई को गुरुग्राम में रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव मिला था। ट्रेन की चपेट में आने से युवक का शरीर दो हिस्सों में बंट गया था। जीआरपी को मृतक के पास मोबाइल मिला था। इसके आधार पर युवक की पहचान श्रेष्ठ मलिक के रूप में हुई। वह भिलाई के जामुल थाना क्षेत्र का रहने वाला था। जीआरपी ने उसके परिवार से संपर्क किया।

बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार के लोग भिलाई से गुरुग्राम पहुंचे। जीआरपी थाना प्रभारी राजपाल के मुताबिक, श्रेष्ठ के शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। इसके बाद शव परिवार को सौंप दिया गया है।

श्रेष्ठ के पिता दीपक मलिक ने बेटे पर लगे हत्या के आरोपों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि, श्रेष्ठ ने परिवार को कभी इशाका या किसी दूसरी लड़की के बारे में नहीं बताया था। परिवार यह भी नहीं जानता कि इशाका कौन थी। दीपक मलिक के मुताबिक 11 जुलाई को श्रेष्ठ ने अपने भाई को फोन किया था।

उसने बताया था कि एक लड़की उसे धमकी देकर गई है। हालांकि, श्रेष्ठ ने यह नहीं बताया कि वह लड़की कौन थी और किस बात को लेकर धमकी दी गई थी। श्रेष्ठ के पिता ने कहा कि उनका बेटा गुरुग्राम में नौकरी करने गया था। वह किसी की हत्या नहीं कर सकता। परिवार ने पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है।

एक ही कंपनी में नौकरी करते थे श्रेष्ठ और इशाका

सेक्टर-56 थाना प्रभारी मनोज कुमार के मुताबिक, श्रेष्ठ और इशाका गुरुग्राम के सेक्टर-59 स्थित Optum Global Solutions में नौकरी करते थे। दोनों की पहचान कंपनी में ही हुई थी। इशाका पहले सेक्टर-57 में रहती थी। घटना से करीब तीन दिन पहले उसने अपना कमरा खाली कर दिया था। इसके बाद वह श्रेष्ठ के साथ सेक्टर-55 स्थित क्लाउड नाइन पीजी के कमरे में रहने लगी थी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हत्या से पहले कमरे में क्या हुआ था। श्रेष्ठ और इशाका के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था या घटना के पीछे कोई दूसरी वजह है, इसकी जांच की जा रही है।

कॉल डिटेल खंगाल रही पुलिस

पुलिस दोनों के मोबाइल की कॉल डिटेल खंगाल रही है। पुलिस श्रेष्ठ के परिवार और इशाका के परिजनों से भी जानकारी जुटा रही है।

फिलहाल पुलिस शुरुआती जांच के आधार पर श्रेष्ठ पर इशाका की हत्या के बाद सुसाइड करने का शक जता रही है। पुलिस का कहना है कि कॉल रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज और फोरेंसिक रिपोर्ट सामने आने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की सही तस्वीर साफ हो सकेगी।

जेल से छूटते ही बदला लेने पहुंचे बदमाश की हत्या

दुर्ग। दुर्ग जिले में जेल से छूटते ही बदला लेने गए बदमाश लेखराम कोठारी की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। 3 से 4 लोगों ने लेखराम पर हमला किया। जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, हमले में कई लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र के कुंद्रापारा इलाके का है।

जानकारी के मुताबिक, लेखराम कोठारी और चेलक पक्ष के लोगों के बीच पिछले दो दिनों से विवाद चल रहा था। दोनों पक्षों के बीच पहले भी मारपीट हुई थी। मामला पद्मनाभपुर थाने तक पहुंचा था। पुलिस ने विवाद के बाद लेखराम के खिलाफ प्रतिबंधक धाराओं के तहत कार्रवाई की और उसे जेल भेज दिया था।

जेल से छूटने के बाद बदला लेने पहुंचा था

रविवार को जेल से छूटने के बाद आदतन बदमाश लेखराम अपने साथियों के साथ चेलक पक्ष के लोगों से बदला लेने पहुंच गया। इसी दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने हो

गए। पहले उनके बीच विवाद हुआ, फिर मारपीट शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया।

आरोप है कि दूसरे पक्ष के 7 से 8 लोगों ने लेखराम को घेर लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। मारपीट में लेखराम गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले में दोनों पक्ष के कुछ अन्य लोगों को भी चोटें आई हैं। घटना के बाद घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर चोट लगने के कारण लेखराम की मौत हो गई।

घटना के बाद इलाके में पुलिस बल तैनात

हत्या की सूचना मिलते ही पद्मनाभपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना की जानकारी जुटा रही है।

पुलिस दोनों पक्षों के बीच विवाद की असली वजह का पता लगा रही है। इसके साथ ही हत्या और मारपीट में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस तकनीकी जांच और मुखबिरों की मदद से आरोपियों की तलाश कर रही है। अभी तक दो संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है।

देर रात मौके पर पहुंचे पुलिस के आला अधिकारी

देर रात पुलिस के आला अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे। विवाद की स्थिति को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस का कहना है कि घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मारपीट में शामिल लोगों की भूमिका की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, घटना के बाद कुंद्रापारा और आसपास के इलाके में पुलिस की नजर बनी हुई है।

रायगढ़ में राहगीर से शराब के लिए पैसे मांगकर की मारपीट, 24 घंटे में तीन बदमाश गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। बड़पारा शराब भट्ठी के पास राहगीर से शराब पीने के लिए पैसे मांगकर मारपीट करने वाले तीन आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। आरोपियों के खिलाफ गैर जमानती धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में शहर में असामाजिक तत्वों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक सुखनंदन पटेल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, 10 जुलाई 2026 को बेलादुला, खर्राघाट निवासी बासुदेव मांझी (39) ने

थाना कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि काम खत्म करने के बाद वह बड़पारा शराब भट्ठी के पास गुटखा लेने गए थे। इसी दौरान विवेक सराफ ने उनसे शराब पीने के लिए पैसे मांगे। पैसे देने से इनकार करने पर विवेक ने अपने साथी अनमोल पाण्डेय और शिवा सोनवानी के साथ मिलकर गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और लात-घूंसों व मुक्कों से मारपीट की।

शिकायत के आधार पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 365/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 351(3), 115(2), 119(1) एवं 3(5) के तहत मामला कायम किया गया। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विवेक सराफ (41) निवासी बाउलीकुआ, थाना कोतवाली रायगढ़, अनमोल पाण्डेय (19) निवासी चिराईपानी, थाना पूंजीपथरा, रायगढ़ तथा शिवा सोनवानी (23) निवासी गोढ़ीकला, थाना पत्थलगांव, जिला जशपुर, हाल निवासी बोन्दाटिकरा, थाना चक्रधरनगर, रायगढ़ के रूप में हुई है।

पूछताछ में आरोपियों ने घटना को स्वीकार कर लिया। इसके बाद उन्हें 11 जुलाई को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

धमतरी पुलिस की त्वरित कार्यवाही में 06 जुआरी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जिले में जुआ, सट्टा एवं अन्य अवैध गतिविधियों के विरुद्ध धमतरी पुलिस द्वारा निरंतर सूचना संकलन कर प्रभावी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना कुरूद पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि नया बाजार स्थित सुलभ शौचालय के पास कुछ व्यक्ति ताश के पत्तों पर रुपये-पैसों का हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना की तस्दीक कर पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर मौके पर दबिश दी।

पुलिस कार्यवाही के दौरान 06 आरोपियों को रंगे हाथों जुआ खेलते हुए पकड़ा गया। मौके से 18,300/- नगद, 05 नग मोबाइल (कीमती लगभग 11,000/- रुपये) एवं 52 पत्ती ताश जब्त किया गया। 06 आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम, 2022 की धारा

3(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई। धमतरी पुलिस द्वारा जिले में जुआ, सट्टा एवं अन्य अवैध गतिविधियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी अभियान जारी है। ऐसे अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध भविष्य में भी कठोर एवं निरंतर कार्यवाही की जाएगी।

बाबा विश्वेश्वर महादेव मंदिर चोरी कांड का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा। कबीरधाम पुलिस द्वारा मंदिर में हुई चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है, जबकि घटना में शामिल एक अन्य आरोपी की तलाश लगातार जारी है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल एवं अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बोडला के पर्यवेक्षण में चौकी पौड़ी, थाना बोड़ला पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 81/2026 धारा 331(4), 305(ए), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत दर्ज मंदिर चोरी प्रकरण में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की गई। प्रकरण में प्रार्थी रोहित कुमार चंद्रवंशी, निवासी ग्राम सिल्हाटी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि दिनांक 04 जुलाई 2026 की रात्रि से 05 जुलाई 2026 की सुबह के मध्य ग्राम सिल्हाटी स्थित बाबा विश्वेश्वर महादेव मंदिर का दरवाजा तोड़कर अज्ञात चोरों द्वारा भगवान महादेव के शिवलिंग में स्थापित चांदी का त्रिकुंड एवं माता गौरी की प्रतिमा का चांदी का मुकुट, कुल लगभग 20 तोला वजनी तथा लगभग 35,000 मूल्य की सामग्री चोरी कर ली गई।

विवेचना के दौरान घटनास्थल का निरीक्षण, गवाहों के कथन, नजरी नक्शा तैयार करने के साथ-साथ मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज, मोबाइल लोकेशन तथा अन्य तकनीकी साक्ष्यों का सूक्ष्म विश्लेषण किया गया। तकनीकी जांच एवं सतत पतासाजी के आधार पर पुलिस ने संदेहियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ एवं मेमोरेण्डम कथन में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने साथी अश्वनी आहिरे के साथ मिलकर मंदिर में चोरी की योजना बनाई थी। योजना के अनुसार तीनों आरोपी मोटरसाइकिल से ग्राम सिल्हाटी पहुंचे, जहां अश्वनी आहिरे मंदिर के अंदर प्रवेश कर चोरी की घटना को अंजाम दिया, जबकि मनजीत पुरले एवं सुनील गोस्वामी मंदिर के बाहर निगरानी करते रहे। किसी के आने की आशंका होने पर दोनों आरोपी मौके से भाग गए तथा बाद में अश्वनी से संपर्क कर उसे अपने साथ ले गए। आरोपी मनजीत पुरले के कब्जे से एक मोबाइल फोन, नगद राशि एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 28 वी 1888 तथा आरोपी सुनील गोस्वामी के कब्जे से मोबाइल फोन एवं नगद राशि विधिवत जप्त की गई। पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर दोनों आरोपियों को विधिसम्मत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

पुलिस ने पकड़ा 29 लाख का गांजा: 56 किलो गांजे के साथ महिला समेत 8 आरोपी अरेस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर दो अलग-अलग ऑपरेशन में 29 लाख रुपए से अधिक कीमत का गांजा जब्त किया है। टिकरापारा थाना पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की संयुक्त कार्रवाई में कुल 56.326 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया।

इस कार्रवाई के दौरान 2 महिलाओं समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में पति-पत्नी, देवर और ओडिशा से गांजे की सप्लाई करने वाले बिचौलिए भी शामिल हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव

शर्मा ने बताया कि पहली कार्रवाई टिकरापारा थाना क्षेत्र के कमल विहार रोड स्थित नीलगिरी प्लांटेशन के पास की गई। पुलिस ने घेराबंदी कर कमलेश सोनवानी, राजा टंडन और नीतू टंडन को गिरफ्तार किया।

आरोपियों के कब्जे से 46.100 किलोग्राम गांजा, एक सुजुकी एक्सेस स्कूटर और मोबाइल फोन जब्त किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गांजे की यह खेप ओडिशा के कालाहांडी जिले से रायपुर लाई गई थी।

सप्लाई चेन तक पहुंची पुलिस, ओडिशा के दो तस्कर गिरफ्तार

पूछताछ में मिले इनपुट के आधार पर पुलिस ने एंड-टू-एंड जांच करते हुए पूरी सप्लाई चेन का खुलासा किया। इसके बाद रायपुर रेलवे स्टेशन के पास से ओडिशा निवासी बनमाली तांडी और अनु तांडी को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी ओडिशा से गांजा लाकर रायपुर में कमलेश, राजा और नीतू को सप्लाई करते थे। इसके बाद ये आरोपी शहर में अलग-अलग जगहों पर इसकी अवैध बिक्री करते थे। इस कार्रवाई में पुलिस ने गांजा सहित अन्य सामान जब्त किया है, जिसकी कुल कीमत करीब 24 लाख रुपए आंकी गई है।

पहले भी जेल जा चुके हैं आरोपी तस्कर

पुलिस जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी कमलेश सोनवानी के खिलाफ रायपुर और महासमुंद में एनडीपीएस एक्ट के तहत पहले से चार मामले दर्ज हैं। वहीं, राजा टंडन भी ओडिशा में नारकोटिक्स एक्ट के एक मामले में जेल जा चुका है।

दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने भाठागांव बस स्टैंड के पास से हरियाणा और उत्तर प्रदेश के तीन अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान हरियाणा निवासी कपिल कटारिया, प्रयागराज निवासी महेश दुबे और अलीगढ़ निवासी नीरज शर्मा के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10.226 किलोग्राम गांजा और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 5.12 लाख रुपए आंकी गई है।

दोनों मामलों में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार, पूछताछ के आधार पर ड्रग्स तस्करी के फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि इस सिंडिकेट से जुड़े अन्य आरोपियों की पहचान कर उन्हें भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

तखतपुर में फरसा लहराकर लोगों को धमकाने वाला युवक गिरफ्तार

बिलासपुर। तखतपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक स्थान पर धारदार फरसा लहराकर लोगों में दहशत फैलाने वाले युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, 11 जुलाई 2026 की रात करीब 11:30 बजे सूचना मिली कि ग्राम नवापारा जरौधा के मुख्य मार्ग पर एक युवक धारदार फरसा लेकर लहरा रहा है, जिससे आम लोगों में भय का माहौल बना हुआ है।

सूचना मिलते ही थाना तखतपुर पुलिस पेट्रोलिंग दल के साथ मौके पर पहुंची। गवाहों की मौजूदगी में पुलिस ने आरोपी को पकड़कर उसके कब्जे से धारदार फरसा बरामद किया। पूछताछ के दौरान आरोपी हथियार रखने संबंधी कोई वैध लाइसेंस या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

पुलिस ने आरोपी सतकुमार खाण्डे (25 वर्ष), निवासी ग्राम नवापारा जरौधा, थाना तखतपुर, जिला बिलासपुर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से फरसा जब्त कर लिया।

इस मामले में थाना तखतपुर में अपराध क्रमांक 423/2026 दर्ज कर आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 के तहत कार्रवाई की गई। बाद में उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

शराब पीने पैसे नहीं दिए तो पर्स से छीना, 3 गिरफ्तार

राजनांदगांव। रास्ता रोककर युवक के पर्स से 2 हजार रुपए छिनने वाले तीन आरोपियों को बसंतपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि प्रार्थी पुष्पेंद्र देवांगन शनिवार शाम पैदल सिंगदई की ओर जा रहे थे। तभी बाइक सवार तीन बदमाश मौके पर पहुंचे। उससे शराब पीने के लिए 200 रुपए की मांग की। रुपए देने से मना करने पर तीनों चाकू मारने की धमकी देकर उसके पर्स में रखे 2 हजार रुपए छीन लिए। शिकायत के बाद बसंतपुर पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले आकाश बघेल, पप्पू यादव और अजय मंडावी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

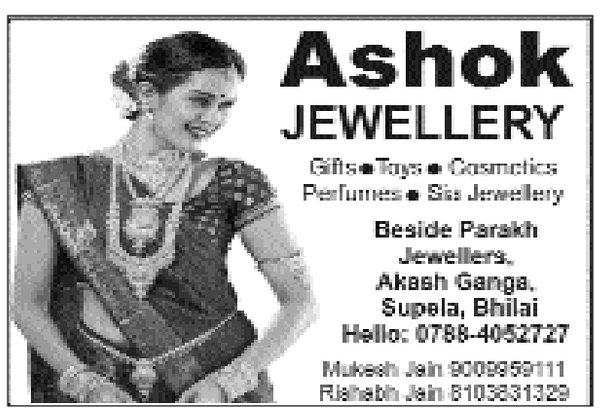

Chhattisgarh
Business Made
Easy

छत्तीसगढ़

बेहतर कल के लिए औद्योगिक विकास

नए युग के उद्योग, बढ़ता निवेश और रोजगार - आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़

अब तक **₹7.90 लाख करोड़** के निवेश प्रस्ताव प्राप्त

1.5 लाख से अधिक संभावित रोजगार

50% परियोजनाएँ विशेष सेक्टर से संबंधित

उद्योगों में बढ़ता विविधीकरण

- नवा रायपुर में **भारत का पहला** एआई डेटा सेंटर पार्क
- मध्य भारत का **सबसे बड़ा फार्मा पार्क**
- नवा रायपुर में राज्य का पहला **₹18,000+ करोड़** का **सेमीकंडक्टर प्लांट**
- **भारत के अग्रणी पेट फूड ब्रांड** का प्रमुख उत्पादन केंद्र
- 70 वर्ष पुराने राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान द्वारा स्थापित एक प्रमुख **मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल**

#CGBusinessEasy

Invest Chhattisgarh

"छत्तीसगढ़ की पहचान अब केवल यहाँ के प्राकृतिक संसाधनों तक सीमित नहीं है, बल्कि सुरक्षित भविष्य की दिशा में बढ़ते कदम, कल्याणकारी परियोजनाएँ, नए रोजगार के अवसर और नए दौर की आवश्यकताओं के अनुरूप मजबूत होती अर्थव्यवस्था भी इसकी पहचान बन रही है।"

–विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

Ro.No.-48382/4

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950